राष्ट्रीय दैनिक

बुद्ध का संदेश

हिन्दी समाचार पत्र

लखनऊ,कानपुर,कन्नौज,बरेली,सीतापुर,सोनभद्र,गोण्डा,बाराबंकी,बलरामपुर,श्रावस्ती,बहराइच,अम्बेडकरनगर,फैजाबाद, बस्ती, संतकबीरनगर,गोरखपुर,कुशीनगर,देवरिया,महराजगंज,सिद्धार्थनगर में एक साथ प्रसारित।

गोल्डन गर्ल बनीं नजर आईं ...8

दैनिक बुद्ध का संदेश | 9795951917,9415163471 | @budhakasandesh | budhakasandeshnews@gmail.com | www.budhakasandesh.com

शनिवार, 05 नवंबर 2022 सिद्धार्थनगर संस्करण | www.budhakasandesh.com | वर्ष: 09 अंक: 315 पृष्ठ 8 आमंत्रण मूल्य 2/–रूपया

लखनऊ सुचीबद्ध कोड– SDR-DLY-6849, डी.ए.वी.पी.कोड–133569 | सम्पादक : राजेश शर्मा | उत्तर प्रदेश सरकार एवं भारत सरकार (DAVP) से सरकारी विज्ञापनों के लिए मान्यता प्राप्त

पराली जलाना 'राजनीतिक मुद्दा' नहीं, राज्यों को इस पर रोक के लिए काम करना चाहिए: कृषि मंत्री तोमर

नयी दिल्ली। केंद्रीय कृषि मंत्री नरेंद्र सिंह तोमर ने पंजाब समेत उत्तर भारत के चार प्रमुख राज्यों में पराली जलाने की बढ़ती घटनाओं पर शुक्रवार को चिंता व्यक्त करते हुए राज्यों से इसे नियंत्रित करने के लिए कदम उठाने की अपील की। मंत्री ने कहा कि 2018 से केंद्र सरकार ने राज्यों को पराली जलाने की घटनाओं के प्रबंधन के लिए कोष और मशीनें उपलब्ध कराई हैं। उन्होंने कहा कि पराली जलाना 'राजनीतिक मुद्दा' नहीं है और राज्यों को इस पर अंकुश लगाने की दिशा में काम करना चाहिए।

मंत्री ने कहा कि कृषि अनुसंधान निकाय आईसीएआर द्वारा विकसित 'पूसा डीकंपोजर' पराली जलाने की समस्या से निपटने के मद्देनजर प्रभावी है।

तोमर ने राज्य सरकारों के साथ–साथ किसानों से ऐसी और तकनीक का उपयोग करने की अपील की। 'पूसा डीकंपोजर' पर आयोजित एक दिवसीय समारोह को संबोधित करते हुए तोमर ने कहा, '' करोड़ों रुपये और दो लाख मशीन उपलब्ध कराने के बावजूद पराली जलाने की घटनाओं में वृद्धि हो रही है, जो चिंता का विषय है।''

उन्होंने कहा कि 2018–19 से, केंद्र सरकार ने चार राज्यों – पंजाब, दिल्ली, उत्तर प्रदेश और हरियाणा – को पराली जलाने की समस्या के प्रबंधन के लिए 3,138 करोड़ रुपये प्रदान किए हैं, जिसमें से 1,400 करोड़ रुपये से अधिक पंजाब को, 900 करोड़ रुपये हरियाणा को, 713 करोड़ रुपये उत्तर प्रदेश को और 6 करोड़ रुपये दिल्ली को दिए गए हैं। मंत्री ने दावा किया कि कुछ राज्यों, खासकर उत्तर प्रदेश और हरियाणा ने अच्छा काम किया है।

बीजेपी ने दिल्ली सरकार पर लगाया करोड़ो रुपए के घोटाले का आरोप

कहा– 65 हजार ऐसे मजदूर, जिनका मोबाइल नम्बर एक ही

नई दिल्ली। भारतीय जनता पार्टी ने दिल्ली की अरविंद केजरीवाल सरकार पर घोटाले का आरोप लगाया है। बीजेपी के पार्टी हेडक्वाटर में मनोज तिवारी, संबित पात्रा ने प्रेस कॉन्फ्रेंस करते हुए कहा कि दिल्ली की लेबर मिनिस्ट्री में घोटाला हुआ है। संबित पात्रा ने आरोप लगाया कि साल 2006 से अब तक 13 लाख से अधिक वर्कर्स की रजिस्ट्री हुई है। इसमें घोस्ट रजिस्ट्री की गई है। संबित पात्रा ने कहा कि केजरीवाल सरकार के दौरान फर्जीवाड़ा कर 2018 से 2021 के बीच में करीब 10 लाख कंस्ट्रक्शन वर्कर्स का रजिस्ट्रेशन हुआ है। जिसमें करीब 2 लाख फर्जी रजिस्ट्रेशन करवाया गया है और इनके नाम पर पैसा उठाया जा रहा है। मनीष सिसोदिया के नेतृत्व में गठित बोर्ड के पास इस साल के लिए कोष कोष के रूप में 3,000 करोड़ रुपये हैं। यह मोटी रकम घोटाले में डूबी फर्जी संस्थाओं में बांट दी जाएगी। संबित पात्रा ने कहा कि आप के तहत की गई रजिस्ट्रियां गंभीर रूप से शरारती हैं। करोड़ों रुपये का घोटाला हुआ है। उम्मीदवार वास्तविक संस्था नहीं हैं, लेकिन भूत रजिस्ट्रियों के साथ परदे के पीछे हैं। आम आदमी पार्टी और अरविंद केजरीवाल की नियत में ही खोट है।

भारत के अंतरिक्ष कार्यक्रम में वैश्विक अंतरिक्ष सहयोग का बड़ा योगदान: अधिकारी

नई दिल्ली। एक शीर्ष भारतीय अंतरिक्ष वैज्ञानिक ने कहा है कि वैश्विक अंतरिक्ष सहयोग भारत के अंतरिक्ष कार्यक्रम का अभिन्न अंग है और अंतरिक्ष में अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन की तरह एक और सेंटर के लिए राष्ट्रों के एक साथ आने के विचार का समर्थन किया है। वर्तमान में भारतीय दूतावास में अंतरिक्ष (इसरो) के परामर्शदाता क्रुणाल जोशी ने हाल ही में एक सम्मेलन में बताया कि भारतीय अंतरिक्ष कार्यक्रम की इस पूरी यात्रा में, वैश्विक अंतरिक्ष सहयोग हमेशा 'एक अभिन्न अंग' रहा है। लास वेगास में अमेरिकन इंस्टीट्यूट ऑफ एरोनॉटिक्स एंड एस्ट्रोनॉटिक्स (एआईएए) द्वारा 24 अक्टूबर से 26 अक्टूबर तक आयोजित प्रतिष्ठित एएससीईएनडी सम्मेलन में दो–परिचर्चा में भाग लेते हुए, जोशी ने अंतरिक्ष वैज्ञानिक समुदाय को बताया कि भारत ने 33 देशों के 350 से अधिक उपग्रह प्रक्षेपित किए हैं। भारत ने 1960 के दशक में थुम्बा इक्वेटोरियल रॉकेट लॉन्चिंग स्टेशन को संयुक्त राष्ट्र को समर्पित किया और यहां से कई तरह के शोध और प्रयोग किए गए। भारत के आज 55 से अधिक देशों और पांच बहुराष्ट्रीय निकायों के साथ 230 से अधिक समझौते हैं। इसमें उपग्रहों के निर्माण से लेकर क्षमता निर्माण तक शामिल है। उन्नति (यूनिस्पेस नैनोस्टलाइट असेम्बली एंड ट्रेनिंग) संयुक्त राष्ट्र के तत्वावधान में इसरो द्वारा शुरू किया गया कार्यक्रम है, जहां भारत नवोदित देशों को यह बताने में मदद कर रहा है कि क्षमता निर्माण, उपग्रह निर्माण के साथ वे कैसे नैनो उपग्रहों का निर्माण कर सकते हैं। 2019 में भारत में 32 देशों के 60 अधिकारी थे और 2022 में 22 देशों के 32 अधिकारी हैं। तो, यह एक ऐसा कार्यक्रम है जो आगे आने वाले देशों के लिए अच्छा कर रहा है। उन्होंने कहा कि भारत का चंद्रयान–[illegible] इस बात का ज्वलंत उदाहरण है कि कैसे अंतरराष्ट्रीय सहयोग कुछ बड़ा हासिल करने में मदद कर सकता है। अमेरिका, ब्रिटेन, जर्मनी, स्वीडन और बुल्गारिया जैसे देशों ने अपने पेलोड के साथ योगदान दिया और वर्तमान में 50 से अधिक देश विज्ञान का अनुकरण कर रहे हैं।

बंगाल में कोई सुरक्षित नहीं, शुभेंदु अधिकारी का आरोप– टीएमसी के लिए काम करती है पुलिस

कोलकाता। भाजपा के वरिष्ठ नेता और पश्चिम बंगाल विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष शुभेंदु अधिकारी ने एक बार फिर से ममता बनर्जी सरकार के खिलाफ जबरदस्त ने हमला बोला है। उन्होंने पश्चिम बंगाल की कानून व्यवस्था और मवेशी तस्करी के संबंध में टीएमसी की सरकार पर निशाना साधा है। उन्होंने पश्चिम बंगाल पुलिस पर भी टीएमसी के लिए काम करने का आरोप लगा दिया। अपने बयान में शुभेंदु अधिकारी ने कहा कि बंगाल में कोई सुरक्षित नहीं, यहां तक घ्धकि जनप्रतिनिधि भी नहीं। उन्होंने कहा कि पुलिस टीएमसी के लिए काम करती है और कट मनी जमा करती है। उन्होंने कहा कि राज्य में कानून–व्यवस्था का पालन नहीं होता है। भाजपा नेता ने कहा कि ईडी के दिल्ली में दर्ज मवेशी तस्करी के संबंध में मामले में कई लोग शामिल हैं। उन्होंने कहा कि आरोप साबित होने पर उन्हें तिहाड़ जेल जाना होगा, जहां उन्हें यहां मिलने वाली सुविधाएं नहीं मिलेंगी। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि टीएमसी कोयला और मवेशी तस्करी, भर्ती घोटाला, पोंजी योजनाओं में शामिल चोरों की सरकार है। पश्चिम बंगाल में डेंगू की स्थिति को लेकर भी शुभेंदु अधिकारी ने राज्य सरकार पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि डेंगू पूरे राज्य में फैल रहा है और मुख्यमंत्री तथा उनके प्रशासन छुट्टी पर है। इसके साथ ही उन्होंने आरोप लगाया कि दुआरे सरकार के नाम पर पंचायत चुनाव की तैयारी की जा रही है। झूठ बोला जा रहा है। सरकारी और निजी अस्पताल में डेंगू के मरीज भरे पड़े हैं। सरकार पूरी तरीके से विफल है।

राजनीति में हर व्यक्ति की महत्वाकांक्षा होती है,फर्क नजरिये का होता है : अशोक गहलोत

कोटा। राजस्थान के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने शुक्रवार को कहा कि राजनीति में महत्वाकांक्षा रखना वाजिब है लेकिन फर्क नजरिये का होता है। गहलोत का यह बयान ऐसे समय में आया है जब दो दिन पहले ही पूर्व उपमुख्यमंत्री सचिन पायलट ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा मुख्यमंत्री गहलोत की बड़ाई किए जाने पर कटाक्ष करते इसे रोचक घटनाक्रम बताया था और पार्टी आलाकमान से राज्य में मुख्यमंत्री पद को लेकर अनिर्णय की स्थिति को समाप्त करने को कहा था। पार्टी में आंतरिक चुनौतियों के बारे में पूछे जाने पर गहलोत ने बारां में बिना किसी का नाम लिए संवाददाताओं से कहा,"राजनीति में हर किसी की थोड़ी–बहुत महत्वाकांक्षा होती है और होनी भी चाहिए है। यह नजरिया है जिससे फर्क पड़ता है। सत्ताधारी दल में आंतरिक कलह का खंडन करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि वह इस पर और कुछ नहीं बोलना चाहते हैं और कहा कि राज्य और देश के हित में राजस्थान में अगला विधानसभा चुनाव जीतना जरूरी है। इसके साथ ही गहलोत ने कहा कि चार साल पूरे करने जा रही उनकी सरकार के खिलाफ कोई सत्ताविरोधी लहर नहीं है। उन्होंने कहा कि अगला विधानसभा चुनाव सरकार के शासन, कामकाज और कल्याणकारी योजनाओं के एजेंडे पर लड़ा जाएगा। उल्लेखनीय है कि कांग्रेस 2018 के विधानसभा चुनाव में जीत के बाद सत्ता में आई थी। तब पार्टी आलाकमान ने गहलोत को मुख्यमंत्री व पायलट को उपमुख्यमंत्री पद दिया था। हालांकि 2020 में कुछ विधायकों ने पायलट की अगुवाई में गहलोत के खिलाफ बगावत कर दी। पार्टी आलाकमान के हस्तक्षेप से मामला सुलझा गया लेकिन पायलट को उपमुख्यमंत्री व प्रदेश अध्यक्ष पद से हटा दिया गया।

वायु प्रदूषण का बिगड़ा स्तर, अरविंद केजरीवाल ने बंद करवाई दिल्ली के स्कूलों की प्राथमिक कक्षाएं

नई दिल्ली। दिल्ली में बढ़ते प्रदूषण के कारण प्राथमिक स्कूल कल से बंद रहेंगे। मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने शुक्रवार को शहर में वायु प्रदूषण के बेहद खराब श्रेणी में जाने के बाद यह घोषणा की है। [illegible] या सिस्टम ऑफ एयर क्वालिटी एंड वेदर फोरकास्टिंग एंड रिसर्च द्वारा जारी आंकड़ों के अनुसार, दिल्ली का वायु गुणवत्ता सूचकांक शुक्रवार को लगातार दूसरे दिन श्गंभीरश श्रेणी में बना रहा। पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान के साथ एक संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए, केजरीवाल ने कहा कि कल से प्राथमिक स्कूल बंद रहेंगे और कक्षा ट से टप्प के लिए बाहरी गतिविधियाँ प्रतिबंधित रहेंगी। मुख्यमंत्री केजरीवाल ने प्रदूषण–रोधी उपायों पर कहा हम स्कूलों में पांचवीं से ऊपर की कक्षाओं के छात्रों की खुले में खेल गतिविधियों को बंद कर रहे हैं। दिल्ली में प्राथमिक स्कूल शनिवार से बंद रहेंगे, सम–विषम योजना लागू करने पर विचार–विमर्श जारी हैं। दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने कहा कि उत्तर भारत को प्रदूषण से बचाने के लिए केंद्र को विशेष कदम उठाने की जरूरत, दोषारोपण और राजनीति का समय नहीं है। इसी दौरान पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान ने भी अपनी बाद रखी और कहा कि पंजाब के खेतों में पराली को दबाने के लिए 1.20 लाख मशीन तैनात, ग्राम पंचायतों ने पराली नहीं जलाने के संबंध में प्रस्ताव पारित किया है। मुख्यमंत्री भगवंत मान। पंजाब में धान की भारी पैदावार के चलते पराली की मात्रा और बढ़ी, अगले साल नवंबर तक समाधान निकालने का वादा।

आतंकी वित्तपोषण मामले में ईडी ने अलगाववादी शब्बीर शाह के घर को कुर्क किया

नई दिल्ली। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने शुक्रवार को बताया कि उसने केंद्रशासित प्रदेश में आतंकी गतिविधियों के वित्तपोषण से जुड़े धनशोधन मामले की जांच के तहत जम्मू–कश्मीर के अलगाववादी नेता शब्बीर शाह का श्रीनगर स्थित आवास कुर्क कर दिया है। अधिकारियों ने बताया कि लगभग 21.80 लाख रुपये कीमत का यह घर श्रीनगर के बरजुल्ला थाना क्षेत्र के सनत नगर की बोत्शाह कॉलोनी में स्थित है। शाह के खिलाफ धनशोधन का मामला राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) द्वारा मई 2017 में लश्कर–ए–तैयबा (एलईटी) के प्रमुख हाफिज सईद और अन्य के खिलाफ गैरकानूनी गतिविधि (रोकथाम) अधिनियम (यूएपीए) की विभिन्न धाराओं के तहत दर्ज प्राथमिकी से उपजा है। ईडी ने एक बयान में कहा, ''शब्बीर अहमद शाह, घाटी में पथराव, जुलूस, विरोध, बंद, हड़ताल और अन्य विध्वंसक गतिविधियों के माध्यम से यहां अशांति फैलाने के प्रयासों में सक्रिय रूप से शामिल था।''

आप ने गुजरात में किया सीएम कैंडिडेट का ऐलान, ईसूदान गढ़वी के नाम घोषित करते हुए बोले केजरीवाल– परिवर्तन का मन बना चुकी है जनता

अहमदाबाद। दिल्ली के मुख्यमंत्री और आप के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने शुक्रवार को इसुदान गढ़वी को आगामी विधानसभा चुनावों के लिए गुजरात में पार्टी के मुख्यमंत्री पद के उम्मीदवार के रूप में नामित किया। राज्य के लोगों द्वारा पार्टी को दी गई राय के आधार पर उम्मीदवार का नाम दिया गया था। पार्टी सूत्रों ने बताया कि आप से शीर्ष पद की दौड़ में इसकी राज्य इकाई के अध्यक्ष गोपाल इटालिया, राष्ट्रीय महासचिव इसुदान गढ़वी और महासचिव मनोज सोरतिह्या शामिल हैं। गुजरात में आम आदमी पार्टी के सीएम पद के चेहरे के लिए पाटीदार नेता गोपाल इटालिया, अल्पेश कथेरिया, कांग्रेस छोड़कर आम आदमी पार्टी में शामिल हुए इंद्रनील राज्य गुरु, मनोज सुरथिया का नाम चल रहा था, लेकिन अरविंद केजरीवाल ने जनता द्वारा मांगी गई राय के आधार पर पूर्व पत्रकार ईशूदान गढ़वी के नाम की घोषणा कर दी है। अरविंद केजरीवाल ने नाम का ऐलान करते हुए कहा कि परिवर्तन का मन बना चुकी गुजरात की जनता ने अपने नए मुख्यमंत्री का नाम चुन लिया है। गुजरात विधानसभा चुनाव दो चरणों में 1 और 5 दिसंबर को होंगे, और परिणाम 8 दिसंबर को घोषित किए जाएंगे, चुनाव आयोग ने गुरुवार को घोषणा की। विधानसभा की 182 सीटों में से 89 पर पहले चरण में और 93 में दूसरे चरण में मतदान होगा. इस वर्ष 4.9 करोड़ से अधिक मतदाता मतदान के पात्र हैं। ग्रामीण क्षेत्रों में 34,000 से अधिक सहित 51,000 से अधिक मतदान केंद्र बनाए जाएंगे। बहुप्रतीक्षित, उच्च–दांव वाले चुनावों में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा), कांग्रेस और आम आदमी पार्टी (आप) के बीच त्रिकोणीय मुकाबला देखने को मिल रहा है।

किचन को ऑइल फ्री चाहते हैं तो आजमाएं ये उपाय

ऐसे में आपको हाई क्वालिटी की चिमनी की आवश्यकता है जिसका सक्शन पावर बेहद स्ट्रांग होना जरूरी है ऐसी अवस्था में आप किचन में ऑयली स्मोक से बच सकते हैं साथ ही किचन का लुक भी आपको बेहतरीन प्राप्त हो सकता है। किचन प्रत्येक मनुष्य के जीवन में गहराई तक घुसा हुआ है, खासकर गृहिणियों का तो 4 से 5 घंटे किचन में ही व्यतीत हो जाता है। निश्चित रूप से किचन मैनेजमेंट एक बड़ा टास्क है और आपको प्रत्येक चीज बारीकी से प्रबंधित करनी पड़ती है।

इसमें किचन में आयली स्मोक एक बड़ी समस्या होती है, और इसका रीजन यह है कि किचन की दीवारों पर या किचन में रखे दूसरे सामानों पर तेल जैसा चिपचिपा धुआं चिपक जाता है। ऐसे में दीवारों पर गंदगी बैठ जाती है।

ऐसे में आपको हाई क्वालिटी की चिमनी की आवश्यकता है जिसका सक्शन पावर बेहद स्ट्रांग होना जरूरी है ऐसी अवस्था में आप किचन में ऑयली स्मोक से बच सकते हैं साथ ही किचन का लुक भी आपको बेहतरीन प्राप्त हो सकता है।

आइए देखते हैं कुछ चिमनिया जिनमें से बेहतरीन को आप यूज करके अपने किशन को ऑयली स्मोक से फ्री कर सकते हैं साथ ही इन चीजों को क्लीन करना भी बेहद आसान है

फेबर (थ्ंइमत) 60बउ एचआर पिरामिड किचन चिमनी

फेबर जाना मना ब्रांड है और पिरामिड स्टाइल की यह चिमनी हाई सक्शन कैपेसिटी के साथ आती है। इसके कलर अगर बात करें तो मैट ब्लैक फिनिश आपके किचन को एक बढ़िया लुक भी देता है। इसमें 3ग स्पीड पुश बटन दिया गया है, साथ ही इसमें 3 लेयर के बफर फिल्टर भी लगे हुए हैं।

किचन को `उवाम–तिमम रखने के लिए यह चिमनी एक बढ़िया ऑप्शन साबित हो सकती है। इसमें 750 मीटर क्यूब पर एचआर की हाई सेक्शन कैपेसिटी दी गई है। साथ ही यह 58क बी लोनवाइजर वाली चिमनी भी है।

मतलब इसमें आवाज बेहद कम हो सकती है। इस वॉल माउंटेड चिमनी को 2 से 4 बर्नर गैस स्टोव के लिए आप ले सकते हैं साथ ही इसमें दो एलईडी लाइट भी लगे हुए हैं।

एलिका 60बउ चिमनी (म्सपबं 60 बउ 1100 उ3ध ीत बेपउदमल)

बफेल फिल्टर वाली यह किचन चिमनी आप को पुश कंट्रोल बटन के साथ मिलती है। इस चिमनी का साइज 60 सेंटीमीटर है यह 2 से 4 बर्नर वाले गैस स्टोव के लिए बेहतरीन साबित हो सकती है। साथ ही मैक्सिमम सक्शन कैपेसिटी के साथ आपके किचन को आयली स्मोक से मुक्त कर सकती है। बता दें कि इस किचन चिमनी को यूजर्स द्वारा 4.5 स्टार की टॉप रेटिंग ही मिली हुई है।

तो देखा आपने किस प्रकार से आप किचन चिमनी के सहायता से अपने किचन को स्मोक फ्री रख सकते हैं।

बाबा वेंगा ने भारत के लिए की ये भविष्यवाणी, अब आने वाली है नई मुसीबत

दुनिया की मशहूर भविष्यवेत्ता और बल्गेरियाई पैगंबर बाबा वेंगा ने आने वाले कई दशकों और सदियों के लिए कई भविष्यवाणियां की हैं। वर्तमान में वो दुनिया के प्रसिद्ध पैगंबर माने जाते है। इस वर्ष के लिए वो कई भविष्यवाणियां कर चुके है। वर्ष 2022 में उनकी दो भविष्यवाणियां सच साबित हो चुकी है। बाबा वेंगा को बाल्कन का नास्त्रेदमस भी कहा जाता है।

बाबा वेंगा की दुनिया खत्म्म होने या तबाही मचने की भविष्यवाणियों को लेकर डर का माहौल होता है। बाबा वेंगा की 5 भविष्यवाणी ऐसी हैं, जिनके सच होने से पूरी दुनिया तहस नहस हो सकती है। बता दें कि बाबा वेंगा ने सोवियत संघ का विघटन, संयुक्त राज्य अमेरिका में आतंकवादी संगठन अल कायदा द्वारा 9ध्11 के हमले को लेकर भविष्यवाणियां की है, जो सच साबित हुई है। अब उनका रुख भारत की तरफ हो गया है। भारत को लेकर उन्होंने ऐसी भविष्यवाणी की है जिससे डर का माहौल पैदा हो गया है।

भारत के बारे में भविष्यवाणी

बाबा वेंगा ने अब भारत के बारे में भविष्यवाणी की है। इस भविष्यवाणी के जरिए कहा गया है कि इस वर्ष दुनिया के तापमान में गिरावट देखने को मिलेगी। ऐसा होने से टिड्डियों के व्यवहार में परिवर्तन देखने को मिलेगा और वो आक्रमण करेंगी। दरअसल टिड्डियों को हरियाली पसंद है और भोजन की तलाश में वो भारत पर आक्रमण करेंगी। टिड्डियों के आक्रमण से भारत में उगने वाली फसलों को काफी नुकसान होने की उम्मीद है। ऐसी स्थिति में भारत में आकाल पड़ने की भी संभावना है। बता दें कि अगर बाबा वेंगा की भविष्यवाणी सच साबित होती है तो भारत बड़े संकट से घिर जाएगा। आने वाले समय में पता चलेगा की इस भविष्यवाणी में कितनी सच्चाई है।

बाबा वेंगा ने वर्ष 2023 के लिए भी कई भविष्यवाणियां की है। इन भविष्यवाणियों के मुताबिक जैविक हथियारों के जरिए लोगों पर एक बड़ा देश आक्रमण करेगा। वर्तमान परिस्थिति में ये स्थिति रूस और यूक्रेन की जंग के तौर पर सच साबित हो रही है। वहीं रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन परमाणु बम के उपयोग की धमकी दे चुके है।

उन्होंने ये भविष्यवाणी भी की है कि वर्ष 2023 में सौर तूफान या सूर सुनामी आ सकती है, जिससे धरकी की चुंबकीय ढाल को नुकसान होना तय है। उन्होंने ये भी कहा है कि वर्ष 2023 में पृथ्वी पर एलियंस हमला कर सकते हैं, जिससे करोड़ों लोगों की मौत हो सकती है। परमाणु ऊर्जा संयंत्र में विस्फोट होने के भी संकेत उन्होंने दिए है। माना जा रहा है कि इस विस्फोट के बाद जहरीले बादल एशिया महाद्वीप पर छाएंगे। जहरीली गैस के कारण दुनिया के अधिकतर देशों में गंभीर रोगों की चपेट में लोग आएंगे।

दंत रोग निशुल्क शिविर का हुआ आयोजन

दैनिक बुद्ध का संदेश

बाराबंकी। बाबू बनारसी दास विश्वविद्यालय लखनऊ डेंटल

हॉस्पिटल की तरफ से ग्राम पंचायत गदिया में निःशुल्क दंत रोग शिविर का आयोजन ग्राम प्रधान तबस्सुम निशा पत्नी मोहम्मद नसीर अहमद द्वारा आयोजित किया गया वही समस्त गांव से आए हुए मरीजों ने सुचारू रूप से अपनी जांच करवाई जिसमें विशेषज्ञों द्वारा दांतो एवं मुंह और जब बड़ों के सभी प्रकार की बीमारियों की सर्वोत्तम जांच की गई प्रोफेसर सुगंधा अग्रवाल नें जानकारी देते हुए बताया कि दांतों और मसूड़ों की सड़न व पायरिया खून आने का इलाज, नकली दांत बत्तीसी बनाने की सुविधा, फिक्सड दांत और इमप्लान्ट की सुविधा, मुंह के छाले,जलन व मुंह ना खुलने का इलाज, मुंह के कैंसर की जांच व इलाज, दांतो के रूट केनाल की सुविधा, दांतों में मसाला भरना, बच्चों के दांतो व मुंह की सभी प्रकार की बीमारियों का इलाज, रियायती दरों पर टेढ़े मेढ़े दांतो को तार लगाकर सीधा करना, कटे होठों व कटे तालू का रियायती दरों पर इलाज, जबड़ो तथा मुंह की रसौली तथा अन्य सभी प्रकार की बीमारियों का सर्जरी द्वारा रियायती दरों पर इलाज व समस्त प्रकार के एक्सरे की सुविधा व इलाज रियायती दरों पर भी उपलब्ध है इस मौके पर डॉ पुनीत अहूजा, डॉ अनुराधा पी, डॉ ऋषि कांत शुक्ला,प्रोफेसर डॉ सुगंधा अग्रवाल,एमडीएस थर्ड ईयर डॉक्टर अमन कुमार, डॉक्टर अंजलि जयसवाल इंटर्न, डॉक्टर साक्षी अग्रवाल इंटर्न, डॉक्टर सौम्या श्रीवास्तव इंटर्न, डॉ सूर्य प्रकाश इंटर्न,चीफ एडिटर विपिन कुमार, ब्यूरो चीफ बलवंत सिंह, मोहम्मद कलीम आदि सभी ग्रामवासी गण मौजूद रहे।

रेप पीड़िता की माँ ने लगाई गुहार, दोषियों के खिलाफ हो कड़ी कार्यवाही

मोहाना थाना क्षेत्र के कार्यवाही पर उठ रहा सवाल, एक गिरफ्तार तो दूसरा महीनों से फरार

दैनिक बुद्ध का संदेश

तुलसियापुर/सिद्धार्थनगर। यूपी के योगी सरकार में प्रशासन के ढिलाही के चलते बेटियां असुरक्षित महसूस करती हैं। एक तरफ बेटी बचाओ अभियान चलाया जा रहा है तो दूसरी तरफ समाज के दबंग इस मंसा पर पानी फेर रहें हैं। ऐसे ही एक मामला जनपद सिद्धार्थनगर के मोहाना थाना क्षेत्र अन्तर्गत गुलहरिया उर्फ हसनपुर का है। इस गांव लगभग डेढ़ महीने पहले दो लड़कियों के साथ दो लड़कों द्वारा रेप संबंधित मामला होता है। कथित तौर पर कहा जाता है कि दो दबंगो ने मिलकर बलात्कार का अंजाम दिया। सूचना पर मोहाना थाना क्षेत्र की घटनास्थल पर 112 नंबर की पुलिस पहुंचकर एम्बुलेंस के जरिये रेप पीड़िता को अस्पताल पहुचा दी थी लेकिन पुलिस साथ न रहने के कारण उस दिन मेडिकल जांच नहीं हुआ। दूसरे दिन महिला पुलिस के साथ पुनः रेप पीड़िता को अस्पताल लाकर मेडिकल कराया गया था। रिपोर्ट के आधार पर दोनों के विरुद्ध मुकदमा दर्ज किया था। जिसमें एक को गिरफ्तार किया गया है लेकिन दूसरा अभी तक फरार चल रहा है। फरार मुलजिम का भाई पीड़िता की माँ को धमकी देकर जबरिया सुलह समझौता करने में लगा है। पीड़ित परिवार न्याय के लिए दर–दर भटक रहा है। यूपी के सिद्धार्थनगर के मोहाना थाना क्षेत्र अन्तर्गत ग्राम पंचायत गुलहरिया उर्फ हसनपुर में ढेड़ महीने पहले रात करीब 12 बजे बारिश होने लगी थी। उसी समय दो सगी बहन अपने घर बाहर बकरी बांधने व पल्ली ढकने के लिए गई थी। उसी समय मनोज पुत्र बाबूलाल और मुबारक अली पुत्र इबारत अली दोनो लड़कियों को पकड़कर बलात्कार घटना का अंजाम दिया था। यह घटना 19ध्09ध्2022 की रात12 बजे की है। पीड़ित दोनो बहनों के अनुसार वो दोनों रात में बारिश के कारण बकरी बांधने और पल्ली ढकने के लिए गई थी। उसी समय दोनो आकर पकड़कर एक बहन की हाथ बांधकर मुँह में कपड़ा भरकर बारी बारी से रेप करने लगे थे। वहीं दूसरी बहन के सीने पर चाकू रखकर जान से मारने की धमकी देने लगें थे। कुछ समय बाद शोर गुल होने लगा और दोनों अंधेरा का फायदा उठाकर भाग गए थे। पीड़िता की माँ घटनास्थल पहुँचकर पुलिस को फोन करके इस घटना की जानकारी दी। मौके पर मोहाना पुलिस पहुचकर पीड़िता परिवार को एम्बुलेंस के जरिए अस्पताल पहुचाया था लेकिन उस दिन पुलिस साथ नहीं गई थी जिस कारण अस्पताल कर्मी यह कहकर लौटा दिया कि पुलिस साथ नही है इसलिए मेडिकल जांच नहीं होगा। दूसरे दिन एक महिला पुलिस के निगरानी में पीड़ित लड़की का मेडिकल चेकअप हुआ जिस आधार पर दोनों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया गया है। पुलिस मनोज कुमार पुत्र बाबूलाल को गिरफ्तार कर लिया है लेकिन दूसरा मुलजिम मुबारक अली पुत्र इबारत अली अभी तक पुलिस गिरफ्तार नहीं कर पाई है।

एक महीने से ज्यादा होने बाद गिरफ्तार न होना पुलिस कार्यवाही पर प्रश्नचिन्ह खड़ा हो रहा है। पीड़िता की माँ ने मीडिया से कहा कि मेरी दोनो बेटियां बारिश होने के कारण बकरी बांधने व पल्ली लगाने के लिए गई थी। उसी समय हसनपुर निवासी मनोज कुमार और रामगढ़ निवासी मुबारक अली ने मेरे दोनों बेटियों को पकडर का एक साथ रेप किया और दूसरी बेटी के सीने पर चाकू रखकर जान से मारने की धमकी दिया। मेडिकल जांच के बाद मुकदमा दर्ज हो गया लेकिन मेरी बेटी को न्याय नहीं मिला अभी तक दूसरा आरोपी फरार चल रहा है। मैं चौराहा पर टार्च खरीदने के लिए गई थी उसी समय मुबारक अली का भाई नसीम जो रामगढ़ का ग्राम प्रधान है। वह अपने साथियों धर्मराज, संजू, बाबूलाल, प्रमोद, रामरतन, घनश्याम के साथ मुझे घेर लिया और जबरिया सुलह समझौता के लिए दबाव डालने लगा। एक सादे पेज पर जबरदस्ती अंगूठा लगवा लिया। मैं सरकार और प्रसाशन से मांग करती हूं कि जल्द से जल्द मुबारक को गिरफ्तार किया जाय और मेरी बेटी की भविष्य के लिए मुवावजे दिया जाए। यदि कार्यवाही नहीं हुई तो हम परिवार जिला कलक्ट्रेट पर जान दे दूंगी। यह अपमान बर्दाश्त नहीं। पुलिस अधीक्षक अमित कुमार आंनद ने कहा कार्यवाही शुरू है मुलजिम जल्द ही पकड़ा जाएगा। कानून अपना कार्य कर रहा है। मैं संबंधा में आदेश दे दिया हूँ। तलाश जारी है।

कैम्प लगाकर विद्युत बिल जमा करायेःजिलाधिकारी

उपभोक्ताओं के घर–घर जाकर मीटर रीडिंग लेकर ही विद्युत बिल जारी करने का निर्देश।

दैनिक बुद्ध का संदेश

सिद्धार्थनगर। विद्युत विभाग की समीक्षा बैठक जिलाधिकारी संजीव रंजन की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभागार में सम्पन्न हुई। बैठक की अध्यक्षता कर रहे जिलाधिकारी संजीव रंजन ने अधि0अभि0 विद्युत सिद्धार्थनगरध्डुमरियागंजध्बांसी को सयुंक्त रूप से निर्देश दिया कि रोस्टर के अनुसार विद्युत आपूर्ति कराना सुनिश्चित करे। जिलाधिकारी ने निर्देश दिया कि जन सेवा केन्द्रों पर कैम्प लगवाकर विद्युत बिल जमा कराये। उपभोक्ताओं के घर–घर जाकर मीटर रीडिंग लेकर ही विद्युत बिल जारी करे तथा सही बिल जमा कराये। उपभोक्ता द्वारा मांग किये जाने पर समय से मीटर बदलवाना सुनिश्चित करे। अनावश्यक रूप उपभोक्ताओ को परेशान न करे। आर0सी0 की वसूली समय से करे। जिलाधिकारी ने अधिशासी अभियन्ता विद्युत को जर्जर तारो को बदलवाने के लिए एजेंसी नामित है उनसे जर्जर तारो को बलवाना सुनिश्चित करे जिससे किसी भी प्रकार की दुर्घटना न हो। इस बैठक में उपरोक्त के अतिरिक्त जिला विकास अधिकारी शेषमणि सिंह, समस्त अधिशासी अभियन्ता विद्युत तथा अन्य संबधित अधिकारी उपस्थित थे।

बढ़नी चाफाः धनुष टूटते ही राम की होने लगी जय–जयकार

दैनिक बुद्ध का संदेश

बढ़नी/सिद्धार्थनगर। आदर्श श्री रामलीला समिति के तत्वाधान में बढ़नी चाफा नगर पंचायत में चल रहे 11 दिवसीय श्री राम लीला मंचन के तीसरी रात कलाकारों ने अहिल्या उद्धार से लेकर रावण–बाणासुर संवाद, धनुष यज्ञ तथा राम विवाह का सुंदर मंचन कर उपस्थित जनमानस का मन मोह लिया। कलाकारों ने मंचन में दिखाया कि राम–लक्ष्मण अपने गुरु विश्वामित्र के साथ जनकपुर आमंत्रण में जाते हैं रास्ते में प्रभु राम के स्पर्श से शिला बनी अहिल्या का उद्धार होता है। उधर जनकपुर के राजा जनक अपने पुत्री सीता के स्वयंवर का आयोजन करते हैं। जिसमें देश के कोने कोने से बड़े–बड़े राजा उपस्थित होते हैं। गुरु के आदेश पर राम–लक्ष्मण सभा में उपस्थित होते हैं। इसी सभा में उपस्थित रावण और बाणासुर का भयंकर संवाद होता है, लेकिन स्वयंवर में स्थित धनुष को कोई राजा नहीं उठा पाता है। जिससे राजा जनक को पुत्री के विवाह की चिंता होने लगती है ,वह काफी दुखी होते हैं ।बाद में गुरु विश्वामित्र के आदेश से प्रभु श्री राम धनुष तोड़ देते हैं। जिसके उपरांत राम और सीता का विधिवत विवाह संपन्न होता है। इस अवसर पर अध्यक्ष रामकुमार कशौधन, उपाध्यक्ष रामनेवास यादव, अमित कुमार गुप्ता, राजकुमार गुप्ता, मुन्ना लाल, परविन्द, रवी प्रताप, महेंद्र सोनी, पंकज श्रीवास्तव, तिलकराम कशौधन, रामतेज कशौधन, दीपक जायसवाल, विकास चौहान, काशीनाथ, रिंकू गुप्ता, मनीष श्रीवास्तव, ऋषि कुमार,अजय गुप्ता, आदि उपस्थित रहे। वहीं एक अन्य स्थान नगर पंचायत बढ़नीचाफा क्षेत्र सेहरी मरसतवा में अखिल भारतीय श्री रामलीला समिति सेहरी खास के तत्वाधान में रामलीला मंचन का कार्यक्रम हो रहा है जिसमें गत रात्रि अहिरावण वध, कुंभकरण वध, मेघनाथ वध ,का मंचन स्थानीय कलाकारों द्वारा किया गया। इस अवसर पर अध्यक्ष छेदी लाल यादव, विकास मौर्या, विक्की गुप्ता, परमात्मा मौर्या, राजकुमार प्रजापति ,खड़गू पांडे, पप्पू गुप्ता, शेष राम, साधिका दूबे, रक्षा राम, संजय दूबे, छोटू दूबेआदि लोग उपस्थित रहे।

गायत्री परिवार के जिला समन्वयक राजकुमार ष्तरूणष् हुए सम्मानित

- हरि प्रबोधिनी एकादशी पर हुआ हवन का आयोजन
- साहित्यकार दीपक कुमार केसरवानी ने किया सम्मानित

दैनिक बुद्ध का संदेश

सोनभद्र। गायत्री परिवार सोनभद्र द्वारा शुक्रवार को हरि प्रबोधिनी एकादशी के उपलक्ष में हवन, पूजन का आयोजन कराया गया। इस अवसर पर रामायण कल्चर मैपिंग योजना के डिस्ट्रिक्ट कोआर्डिनेटर, संस्कृति विभाग उत्तर प्रदेश के नामित सदस्य दीपक कुमार केसरवानी ने गायत्री परिवार सोनभद्र के जिला समन्वयक राजकुमार तरुण को अंगवस्त्रम, आचार्य पंडित श्रीराम शर्मा द्वारा रचित कृति राम नाम भेंट कर सम्मानित किया। गायत्री परिवार से जुड़े हुए कवि दिवाकर द्विवेदी मेघ विजय घड़ी आचार्य पंडित श्रीराम शर्मा के व्यक्तित्व एवं कृतित्व का बखान करते हुए एक कविता का वाचन किया। इस अवसर पर बालमुकुंद शुक्ला, प्रदीप गुप्ता, आनंद शंकर, रामदेव, मंजू देवी, रानी गुप्ता, सरिता जायसवाल, सुमन गुप्ता, गीता देवी, हेमलता देवी, सावित्री गोस्वामी, मनोरमा गुप्ता, पुष्पा मिश्रा, निर्मला देवी, कालिदास जायसवाल, ज्ञानमति, पुष्पा, गीता, जयराम सोनी, शैल चौरसिया सहित अन्य लोग उपस्थित रहे।

मुख्य विकास अधिकारी ने किया सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र का निरीक्षण,दिया निर्देश

दैनिक बुद्ध का संदेश

सिद्धार्थनगर। शुक्रवार को जयेन्द्र कुमार, मुख्य विकास अधिकारी ने सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र, भनवापुर स्थित ग्राम सिरसिया का निरीक्षण किया गया। ओ.पी.डी.कक्ष, हाल, औषधी केन्द्र, स्टोर रूम सहित सम्पूर्ण चिकित्सालय परिसर का अवलोकन किया गया। अधीक्षक डॉक्टर एस.एम.ओझा द्वारा बताया गया कि वर्तमान में 03 चिकित्सक एवं अन्य पैरामेडिकल स्टाफ कार्यरत है। निरीक्षण में परिसर में गन्दगी पायी गई। जिसकी सफाई कराने के निर्देश दिया गया स अधीक्षक द्वारा बताया गया कि इस वर्ष अत्याधिक बाढ़ के कारण सीएचसी में 5 फीट पानी भर गया था, बाढ़ के उपरान्त पुनः साफ सफाई कराकर ओपीडी प्रारंभ किया गया है स हाल में शौचालय का निर्माण कार्य कराया जा रहा है, जिसे अतिशीघ्र पूर्ण करने के निर्देश दिया गया। औषधी केन्द्र, स्टोर रूम में स्टाक रजिस्टर के सापेक्ष दवाओं एवं वैक्सीन उपलब्धता का मिलान किया गया। स्टाक रजिस्टर पूर्ण नहीं था। अधीक्षक द्वारा बताया गया कि बाढ़ से प्रभावित ग्रामों में चिकित्सा शिविर के लिए निकाली गई दवाओं की इंट्री नहीं किया गया। जिसे तत्काल स्टॉक रजिस्टर में अंकित करने के निर्देश दिया गया। अधीक्षक द्वारा बताया गया कि वर्तमान में आवश्यक दवा उपलब्ध है, कुछ दवाओं एवं टेस्टिंग किट समाप्त हो गया है जिसका मांगपत्र प्रेषित किया गया है।ओ0पी0डी0 में उपस्थित मरीजों एवं उनके परिजनों से वार्ता करते हुए उनकी समस्याओं की जानकारी प्राप्त की गया। सोलिड वेस्ट मैनजमेन्ट के अन्तर्गत कूडा निस्तारण का विशेष ध्यान दिये जाने के निर्देश दिये गये।बताया गया बाढ से प्रभावित होने के कारण प्रसव की संख्या में कमी आई है। विगत माह में 100 से 150 प्रसव कराया गया है। परिसर में 20 बेड का नया भवन बन रहा है स जिसके लिए बाढ़ के सुरक्षा के दृष्टि निर्माण कराने के निर्देश दिए गए स एम्बुलेन्स की उपलब्धता एवं संचालन के सम्बन्ध निर्देशित किया गया एंबुलेंस का सर्वे कराकर वस्तुस्थिति से सीएमओ को अवगत करावे स आयुष्मान कार्ड के निर्माण हेतु पंचायत सहायकों को प्रशिक्षित किये जाने के लिए निर्देश दिया गया। बाढ़ प्रभावित ग्राम पंचातयों में निरन्तर शिविर एवं जागरूकता करने के निर्देश दिये गये।

तस्कारी का दो माल वाहनों से भारी मात्रा में मछली बरामद

दैनिक बुद्ध का संदेश

कपिलवस्तु/सिद्धार्थनगर। पुलिस अधीक्षक अमित कुमार आनन्द

के आदेश पर अपराध एवं अपराधियो व रोकथाम तस्करी हेतु चलाये जा रहे अभियान के क्रम में अपर पुलिस अधीक्षक सिद्धार्थ व क्षेत्राधिकारी सदर अखिलेश वर्मा के पर्यवेक्षण में थाना कपिलवस्तु प्रभारी निरीक्षक मोतीलाल यादव के नेतृत्व में शुक्रवार को झुलनीपुर के पास से एक डीसीएम से 100 पेटी मछली लदी हुई त्रिपाल से ढकी हुई तथा प्रत्येक पेटी मे करीब 40 किग्रा0 मछली बर्फ सहित बरामद हुआ तथा दूसरे वाहन पिकप से 45 गट्ठर मे लगभग 10 कुंटल सूखा झींगा बरामद हुआ। माल को कब्जे में तथा अभियुक्तगणों को हिरासत पुलिस मे लिया गया। बरामद माल को धारा 11 कस्टम अधिनियम के अंतर्गत कस्टम कार्यालय नौगढ़ रवाना किया गया। गिरफ्तार अभियुक्त की पहचान लड्डन अली पुत्र मो0 जलील ग्राम उनवल थाना बांसगाव जनपद गोरखपुर (डीसीएम चालक), व करीम पुत्र अय्यूब निवासी जंगलबहादुर अली टोला पोखरा थाना चिलुआताल जनपद गोरखपुर (पिकप चालक) के रूप मे हुई है। गिरफ्तार करने वाली टीम में एसएचओ मोतीलाल यादव, उपनिरीक्षक किशोरीलाल चौधरी, भीम सिंह, मुख्य आरक्षी सिद्धार्थ सिंह, आरक्षी संदीप कुमार यादव, आरक्षी संदीप सिंह शमिल रहे।

कपिलवस्तु महोत्सवः स्थानीय कलाकारो को मिलेगा मौका,भव्य होगा आयोजन

दैनिक बुद्ध का संदेश

सिद्धार्थनगर।कपिलवस्तु महोत्सव–2022की तैयारी बैठक जिलाधिकारीध्अध्यक्ष कपिलवस्तु महोत्सव समिति संजीव रंजन की अध्यक्षता एवं पुलिस अधीक्षक अमित कुमार आनन्द एवं मुख्य विकास अधिकारी जयेन्द्र कुमार की उपस्थिति में कलेक्ट्रेट सभागार में सम्पन्न हुई। जिलाधिकारीध्अध्यक्ष कपिलवस्तु महोत्सव समिति संजीव रंजन ने बैठक में उपस्थित कपिलवस्तु महोत्सव समिति के नोडल अधिकारीध्अध्यक्षध्सदस्यों को निर्देश देते हुए कहा कि सभी लोग अपनी–अपनी समितियों की बैठक कर 3–4 दिनो के अन्दर रूपरेखा तैयार कर मुख्य विकास अधिकारीध्सचिव कपिलवस्तु महोत्सव समिति के समक्ष प्रस्तुत करे। जिलाधिकारी ने मुख्य विकास अधिकारी को निर्देश दिया कि कार्यक्रम स्थल का लेआउट 4–5 दिनों के अन्दर तैयार कर ले जिससे टेन्ट, साउण्ड, लाइट, एल.ई.डी. व अन्य की टेण्डर फाइल प्रक्रिया सुनिश्चित करायी जा सके। जिलाधिकारी ने जानकारी देते हुए कहा कि कपिलवस्तु महोत्सव–2022 के कार्यक्रमों में स्थानीय कलाकारो को अधिक से अधिक प्रोत्साहन देकर कार्यक्रम में स्थान दिया जाए जिससे जनपद के कलाकारो का मनोबल बढ़ सके। जनपद के दूरस्थलों यथा– डुमरियागंज, बढ़नी, इटवा, बांसी, तथा कपिलवस्तु बार्डर व लोटन आदि स्थानो से कपिलवस्तु महोत्सव का कार्यक्रम देखने आने वाले लोगो को लाने–ले जाने के लिए बस लगाने का निर्देश दिया गया। जिलाधिकारी ने महोत्सव के दौरान खेल प्रतियोंगिताओ के आयोजन कराने तथा खेल का आयोजन वृहद स्तर पर कराने का निर्देश दिया। जिलाधिकारी ने प्रचार–प्रसार हेतु होर्डिग लगवाने के लिए अधिशासी अभियन्ता जल निगम को निर्देश दिया। इसके साथ ही महोत्सव के दौरान सेल्फी प्वाइंट, झूला मेला, मीना बाजार, फूड जोन, कामर्शियल जोन, फोटोग्राफी प्रतियोंगिताध्प्रदर्शनी लगायी जायेगी।

जिलाधिकारी ने निर्देश दिया कि कपिलवस्तु महोत्सव के आयोजन से संबधित समस्त तैयारियों को पूर्ण कर ले। इस बैठक में उपरोक्त के अतिरिक्त अपर जिलाधिकारी (वि0ध्रा0) उमाशंकर, उपजिलाधिकारी (न्यायिक) प्रियंका चौधरी, जिला विकास अधिकारी शेषमणि सिंह, पी0डी0 डी0आर0डी0ए0, मुख्य कोषाधिकारीध्प्र0जिला सूचना अधिकारी विनोद कुमार, सहायक क्षेत्रीय प्रबन्धक रोडवेज जगदीश, डी0सी0मनरेगा संजय शर्मा, ए0आई0जी0 स्टाम्प राजेश कुमार सिंह, जिला पूर्ति अधिकारी बृजेश कुमार मिश्र, तथा अन्य संबधित अधिकारीगण व महोत्सव समिति के अध्यक्षध्सदस्यगण आदि उपस्थित थे।

ओवर लोडिंग गाड़ियों जनपद में नही चलनी चाहिएः जिलाधिकारी संजीव रंजन

बिना परमिट के चल रहे वाहनों पर कार्यवाही करने का निर्देश

दैनिक बुद्ध का संदेश

सिद्धार्थनगर। सड़क सुरक्षा समिति की बैठक जिलाधिकारी संजीव रंजन की अध्यक्षता एवं पुलिस अधीक्षक अमित कुमार

आनन्द की उपस्थिति में कलेक्ट्रेट सभागार में सम्पन्न हुई। बैठक की अध्यक्षता कर रहे संजीव रंजन ने सहायक सम्भागीय परिवहन अधिकारी को निर्देश दिया कि यातायात नियमों की जानकारी जनता को दिये जाने के सम्बन्ध में कैम्प लगाकर दिये जाने का निर्देश दिया गया। बिना परमिट के चल रहे वाहनों पर कार्यवाही करने का निर्देश दिया गया। सभी वाहनों पर रेडियम जरूर लगवा दे। जिलाधिकारी ने कहा कि मुख्यतः सड़क दुर्घटना लापरवाही के कारण होती है। ओवर लोडिंग गाड़ियों नही चलनी चाहिए। जिलाधिकारी ने उपस्थित समस्त अधिकारियों को निर्देश देते हुए कहा कि दो पहिया वाहन चलाते समय हेलमेट अवश्यक लगाये, तीन सवारी न चले, चार पहिया वाहन चलाते समय सीट बेल्ट का प्रयोग अवश्य करें। जनपद में अधिक दुर्घटना वाले स्थलो को चिन्हित कर वहां पर संकेत बोर्ड आदि लगवाने का निर्देश दिया गया। सड़क के किनारेध्ढाबो के किनारे भारी वाहन खड़ी न करे। इस अवसर पर उपरोक्त के अतिरिक्त क्षेत्राधिकारी यातायात, जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी देवेन्द्र कुमार पाण्डेय, ए0आर0टी0ओ0, अधिशासी अभिन्ता लो0नि0वि0(प्र0ख0) तथा अन्य संबधित अधिकारी उपस्थिति रही।

आयोजित तीसवीं ब्लॉक स्तरीय बेसिक बाल क्रीड़ा में खिलाड़ियों ने दिखाया दम

दैनिक बुद्ध का संदेश

सिद्धार्थनगर। जिला स्टेडियम में आयोजित तीसवीं ब्लॉक स्तरीय बेसिक बाल क्रीड़ा प्रतियोगिता के पहले दिन खिलाड़ी बच्चों का जोश हाई दिखा. सदर ब्लॉक के भीमापार, पटनी जंगल, शिवपतिनगर, रेहरा, कपिया मिश्र आदि न्यायपंचायतों के विभिन्न स्कूलों से आए बच्चों की टीमों ने कबड्डी, दौड़, लंबी कूद, ऊंची कूद आदि प्रतियोगिताओं में जबरदस्त उत्साह का प्रदर्शन करते हुए दर्शकों की तालियां बटोरीं क्रीड़ा प्रतियोगिता के उद्घाटन के बाद जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी देवेंद्र कुमार पांडेय ने अपने संबोधन में शारीरिक स्वास्थ्य एवं मानसिक एकाग्रता के लिए खेलकूद को आवश्यक बताते हुए प्रतिभागियों को अपने आशीर्वाद से अभिसिंचित किया. जिला क्रीड़ा अधिकारी आशुतोष अग्निहोत्री ने मेलजोल और एकता के लिए खेलों का महत्व बताते हुए शुभकामनाएँ दीं. बीईओ नौगढ़ धर्मेन्द्र पाल ने आभार प्रकट करते हुए निर्णायकों को निष्पक्ष एवं पारदर्शी परिणामों के लिए निर्देशित किया. कार्यक्रम का संचालन नियाज कपिलवस्तुवी ने किया. इस अवसर पर उपेंद्र उपाध्याय, सत्येंद्र गुप्ता, अरूण सिंह, अरूण त्रिपाठी, विजयेन्द्र मिश्रा, धर्मेन्द्र चौधरी, कैलाशमणि त्रिपाठी, विनयकांत मिश्रा, रजनी जैसवाल, किरन उपाध्याय, आरती चौधरी, विक्रांत त्रिपाठी, आलोक आनंद, चंद्रभान यादव, माहेश्वरी पाठक, मदनलाल जैसवाल, विपिन सिंह आदि उपस्थित रहे।

माधवप्रसाद त्रिपाठी मेडिकल कालेज में अभिमुखीकरण का आयोजन

दैनिक बुद्ध का संदेश

सिद्धार्थनगर। माधवप्रसाद त्रिपाठी मेडिकल कालेज सिद्धार्थनगर

के सभागार में सीएमओ डॉ बी के अग्रवाल की अध्यक्षता में यूनिसेफ की सहयोग से स्वास्थ्य प्रवेक्षको के लिए नियमित टीकाकरण एवं ग्रामीण स्वास्थ्य एवम पोषण दिवस के लिए एक दिवसीय का अभिमुखीकरण का आयोजन किया गया । जिसमे सीएमओ ने उपयोग होने वाली सामग्री के विषय में जानकारी दी गई। मन्नू खन्ना द्वारा बताया गया टीकाकरण द्वारा दी जाने वाली वैक्सीन के विषय में जानकारी दी गई। डीएमसी अमित शर्मा द्वारा टीकाकरण के प्रति उदासीन परिवारों को किस प्रकार लामबंद किया जाए के विषय में जानकारी दी गई बस्ती मंडल से आए डिविजनल कोऑर्डिनेटर श्री मनोज श्रीवास्तव द्वारा ड्यू लिस्ट की गुणवत्ता एवम किस प्रकार सामुदायिक मीटिंग के माध्यम से परिवारों को टीकाकरण के प्रति के परिवारो को लामबध किया जा सकता है समझाया गया व बीआरटी एवम फ्रंट लाइन वर्कर के कार्य को समझते हुवे रिपोर्टिंग प्रपत्र पर चर्चा की गई, जिला प्रतिरक्षण अधिकारी द्वारा सहयोगतम प्रवेक्षण को समझते हुवे मीटिंग का समापन किया गया इस अवसर पर मुख्य चिकित्सा त्त डीके चौधरी, डीआईओ त्त एके आजाद , क्डव् सुनील चौधरी , डीएमसी अमित शर्मा, सतीश पटेल, महामारी रोग विशेषज्ञ समीर सिंह,मनु खन्ना एवम सभी 14 ब्लॉक से आए स्वास्थ्य प्रवेक्षक लोग उपस्थित रहे ।

जोगिया में ब्लॉक स्तरीय बेसिक बाल क्रीडा प्रतियोगिता का हुआ आगाज

दैनिक बुद्ध का संदेश

जोगिया/सिद्धार्थनगर। उच्च प्राथमिक विद्यालय जोगिया के

प्रांगण में ब्लॉक स्तरीय बेसिक बाल क्रीड़ा की शुरुवात हुई। मुख्य अतिथि उपेंद्र प्रताप सिंह प्रतिनिधि अध्यक्ष जिला पंचायत ने विद्या की देवी माँ सरवस्ती के चित्र पर माल्यार्पण व श्रद्धा सुमन अर्पित व दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। सर्वप्रथम नन्हे मुन्हे बच्चों ने सरवस्ती वंदना व स्वागत गीत का मनमोहक प्रस्तुति कर अतिथियों का मन मोह लिया। मुख्य अतिथि व उपस्थित अन्य अतिथियों का स्वागत खण्ड शिक्षा अधिकारी कुंवर विक्रम पांडे ने किया तथा बच्चों का हौसला औफजाई करते हुए कहा कि शिक्षा के साथ साथ खेल का भी जीवन मे बड़ा महत्व है। खेल हम को सहनशीलता व जीवन मे सामंजस्य बनाना सिखाती है। विभिन्न प्रतियोगिताओं के चयनित होकर ब्लॉक स्तरीय खेल के मैदान तक पहुंचना महत्वपूर्ण बात है। हार व जीत कोई मायने नही रखता। हारने पर दुखी ना होकर अगला बेहतर प्रयास करें। इस मौके पर एस आर जी अंशुमान सिंह एआरपी डा अनुपम सिंह,प्रमोद त्रिपाठी,शशिकांत त्रिपाठी, देवेंद्र त्रिपाठी, अजय श्रीवास्तव,के साथ शिक्षक पंकज राय रामप्रताप शर्मा, गौरव पांडेय, जय प्रकाश उपाध्याय, धर्मेंद्र श्रीवास्तव , मनीष दुबे, आशीष त्रिपाठी, सम्राट पाठक पतंजलि मिश्र प्रदीप पांडेय प्रदीप यादव अन्नतदीप यादव जय प्रकाश यादव दिनेश चौरसिया रविन्द्र सिंह सत्य प्रकाश बृजनंदन मिश्र अनिल यादव पियूष द्विवेदी राजबाला अंशु राय निधि द्विवेदी बंदना त्रिपाठी सहित काफी संख्या में अध्यापक गण मौजूद रहें । कार्यक्रम का संचालन संजय कर पाठक, विष्णु त्रिपाठी व उत्कर्ष श्रीवास्तव ने किया।

ककरहवा का राम लीला मेला आज से

दैनिक बुद्ध का संदेश

सिद्धार्थनगर। नेपाल सीमा से सटे ककरहवा बाजार का विशाल एव ऐतिहासिक तीन दिवसीय राम लीला मेला शनिवार से प्रारम्भ हो रहा है। उक्त जानकारी देते हुए मेला आयोजक प्रधान प्रतिनिधि दिलीप पाण्डेय ने बताया कि मेला तीन दिवसीय है, जिसमे प्रथम दिन शनिवार को लंका दहन, एव दूसरे दिन रविवार को राम लीला मंचन एव रावण वध तथा तीसरे दिन सोमवार की रात्रि में भरत मिलाप का आयोजन किया गया है। मेला संरक्षक एवं व्यपार मण्डल अध्यक्ष अमन जायसवाल ने बताया कि इस बार मेले को और आकर्षण बनाने के लिए विभिन्न प्रकार के झूले एव जादूगर तथा सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन किया गया है। इस मेले में भारत के अलावा मित्र राष्ट्र नेपाल के लोग भारी संख्या में मेला देखने के लिये आते हैं। उन्होंने कहा कि राम लीला मंचन में पूरे रामायण को संक्षेप में मंचन किया जाता है तथा भरत मिलाप की झांकिया बहुत ही आकर्षित होता है। भारत मिलाप में कई झांकिया होती है। जो बहुत ही हर्षोल्लास के साथ झांकी निकाली जाती है। तत्पश्चात भरत मिलाप के पश्चात मेला सम्पन्न करा दिया जाएगा।

सम्पादकीय

कश्मीर की सच्ची आजादी?

दोनों कश्मीरियों को आजादी चाहिए। वैसी ही आजादी, जैसे मुझे दिल्ली में है और इमरान खान को लाहौर में है। यह आजादी किसी मुख्यमंत्री को प्रधानमंत्री कह देने से नहीं मिल जाती है। पाकिस्तान के प्रधानमंत्री भी क्या सचमुच आजाद हैं? वहां फौज जिसको चाहे प्रधानमंत्री की कुर्सी में ...

भारत के रक्षामंत्री राजनाथ सिंह ने पाकिस्तान के कब्जाए हुए कश्मीर और बल्तिस्तान को आजाद करने का नारा काफी जोर–शोर से लगाया है। उन्होंने 26 अक्टूबर को मनाए जा रहे शौर्य दिवस के अवसर पर कहा है कि तथाकथित श्आजाद कश्मीरय के लोगों पर थोपी जा रही गुलामी को देखकर तरस आता है। उन्हें सच्ची आजादी दिलाना बहुत जरुरी है। भारत इस मामले में चुप नहीं बैठेगा। राजनाथसिंह के पहले हमारी विदेश मंत्री सुषमा स्वराज ने उस कश्मीर को आजाद करने की बात काफी जोरदार ढंग से कही थी। उनके पहले तथाकथित पाकिस्तानी कश्मीर के बारे में हमारे प्रधानमन्त्री और विदेश मंत्री प्रायरू कुछ बोलते ही नहीं थे लेकिन मेरी पाकिस्तान–यात्रा के दौरान जब–जब वहां मेरे भाषण और पत्रकार–परिषदें हुईं, मैंने श्आजाद कश्मीरय के सवाल को उठाया। पाकिस्तान के राष्ट्रपतियों और प्रधानमंत्रियों से जब–जब मेरी मुलाकातें होती तो वे मुझे कहते कि सबसे पहले आप अपना कश्मीर हमारे हवाले कीजिए, तब ही हमारे आपसी संबंध सुधर सकते हैं। मैं उनसे पूछता कि आपने संयुक्तराष्ट्र संघ का 1948 का वह प्रस्ताव पढ़ा है या नहीं, जिसमें जनमत–संग्रह के पहले पाकिस्तान को कहा गया था कि आप अपने कब्जे के कश्मीर से अपना एक–एक फौजी और अफसर हटाएँ? ज्यादातर पाकिस्तानी नेता, पत्रकार और फौज के उच्चपदस्थ जनरलों को भी इस शर्त का पता ही नहीं था। प्रधानमंत्री बेनजीर भुट्टो को दिखाने लिए तो मैं वह स.रा. दस्तावेज जेब में रखकर ले गया था। पाकिस्तानी कश्मीर के तीन तथाकथित प्रधानमंत्रियों से कई बार मेरे लंबे संवाद हुए, इस्लामाबाद, लंदन और वाशिंगटन डी.सी. में। वे लोग दोनों कश्मीरों को मिलाकर आजादी की बात जरुर करते थे लेकिन बात करते–करते वे यह भी बताने लगते थे कि पाकिस्तान की फौज और सरकार उन पर कितने भयंकर अत्याचार करती है। एक कश्मीरी लेखक की उन्हीं दिनों छपी पुस्तक में कहा गया था कि गर्मी के दिनों में श्उनके कश्मीरय को पाकिस्तान के पंजाबी अमीर लोग श्विराट वेश्यालयय बना डालते हैं। बेनजीर ने अपने फौजी गृहमंत्री से कहा था कि वे मुझे श्आजाद कश्मीरय के प्रधानमंत्री से मिलवा दें तो उन गृहमंत्रीजी ने मुझसे कहा कि वह आजाद कश्मीर का श्प्रधानमंत्रीय नहीं है वह तो किसी शहर के मामूली महापौर की तरह है। सच्चाई तो यह है कि पाकिस्तान ने 1948 में कश्मीर के जिस हिस्से पर कब्जा कर लिया था, उसे वह अपना गुलाम बनाकर तो रखना ही चाहता है, उसकी कोशिश है कि भारतीय कश्मीर भी उसका गुलाम बन जाए। दोनों कश्मीरियों को आजादी चाहिए। वैसी ही आजादी, जैसे मुझे दिल्ली में है और इमरान खान को लाहौर में है। यह आजादी किसी मुख्यमंत्री को श्प्रधानमंत्रीय कह देने से नहीं मिल जाती है। पाकिस्तान के प्रधानमंत्री भी क्या सचमुच आजाद हैं? वहां फौज जिसको चाहे प्रधानमंत्री की कुर्सी में बिठा देती है और हटा देती है। कश्मीर को सच्ची आजादी तभी मिलेगी, जब दोनों कश्मीर एक हो जाएंगे और दोनों कश्मीर आज भारत और पाकिस्तान के बीच जो खाई बने हुए हैं, वे एक सेतु की तरह काम करेंगे। दोनों कश्मीरों को मिलाकर हम उन्हें भारत के अन्य प्रांतों की तरह आजाद कर सकते हैं। यही कश्मीर की सच्ची आजादी है।

कुछ अनकहे अल्फाज

दैनिक बुद्ध का संदेश

निवासियों के लिए यह गर्व और सौभाग्य की बात है कि लेफ्टिनेंट कर्नल अंशुमान अग्रहरी जो सिद्धार्थनगर सदर के निवासी है, ने 'कुछ अनकही अल्फाज (जेवेम न्देंपक ॅवतके) नाम से एक पुस्तक लिखी है। कर्नल अंशुमान आईआईटी रुड़की, भारतीय सैन्य अकादमी (प्ड।), देहरादून और जवाहर नवोदय विद्यालय, बाँसी के पूर्व छात्र रह चुके हैं तथा आईआईटी इंदौर से पीएचडी कर रहे हैं। कर्नल अंशुमान अग्रहरी ने विभिन्न पत्रिकाओं के लिए कई लेख लिख चुके है और एक लघु कहानी श्पेन्ड इन पेंसिलश् को जगरनॉट में प्रकाशित किया है। इन्होंने लेह और उसके आसपास दो साल से अधिक समय बिताया है और इन दिनों इस पुस्तक को लिखने का विचार आया। बातचीत के दौरान अंशुमान ने बताया कि पुस्तक एक यात्रा वृत्तांत है, जिसे एक लड़की ने लिखा है (पृष्ठभूमि में चल रही एक प्रेम कहानी)। यह मनाली से लेह तक अछूती घाटियों और झीलों के बारे में बताता है। यह पुस्तक महत्वपूर्ण स्थानों, मठों के इतिहास को छूती है और इसमें मांडुक्य उपनिषद की शिक्षाओं का भी व्याख्यान है। यह मानवीय रिश्तों, मानव मनोविज्ञान को खूबसूरती से वर्णन करता है और प्रकृति की सुंदरता के बारे में विस्तार से बताता है। पुस्तक प्रकृति प्रेमियों को आकर्षित करेगी। जैसा कि नाम से पता चलता है कुछ अनकहे अल्फाजश, यह हर उस युवा आत्मा को जोड़ता है जिसे कभी प्रेम का आभाष हुआ है। पुस्तक उन लोगों को प्रेरित करेगी जो लेह और लद्दाख की अंचुई भुमि की यात्रा करना चाहते हैं और इस क्षेत्र की रहस्यमय सुंदरता को देखना और महसूस करना चाहते है। पुस्तक संदेश देती है कि जीवन एक यात्रा है मंजिल नहीं, हमें आगे बढ़ते रहना चाहिएय न तो जीवन रुकने वाला है और न ही दुनिया, तो हम क्यों रुके। कई लेखकों ने कर्नल अंशुमान के अदम्य लेखन की सराहना की है, उम्मीद है आप को पुस्तक पसंद आएगी। पुस्तक जल्द ही अमेजन और फ्लिपकार्ट पे उपलब्ध होगी।

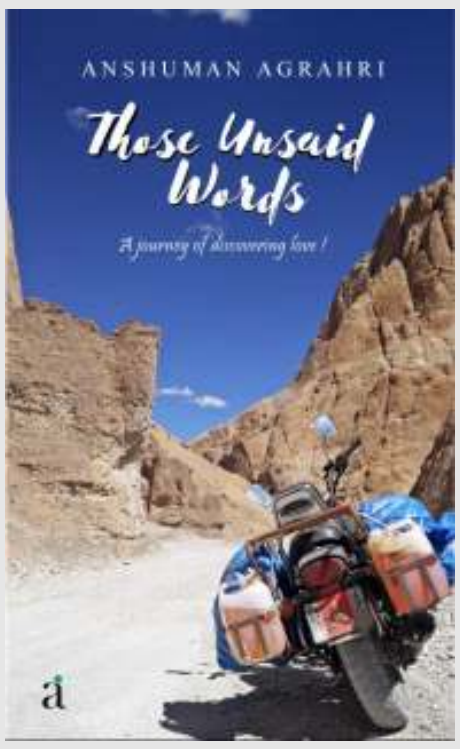

अकेले गोवर्धन उठाए केजरीवाल

वे फाइलों पर दस्तखत नहीं करते हैं लेकिन हर मुद्दे पर राजनीति करते हैं। यमुना का पानी साफ नहीं है तो उसका मुआयना केजरीवाल करते हैं तो कूड़े के पहाड़ को देखने भी वे ही जाते हैं। स्कूल–अस्पताल का शिलान्यास हो या उद्घाटन सब केजरीवाल करते हैं। पूजा–पाठ, आरती और हनुमान चालीसा का पाठ भी केजरीवाल ही करते हैं। यानी सब कुछ केजरीवाल के ईर्द–गिर्द होता है। तभी नरेंद्र मोदी और ...

हरिशंकर व्यास

अरविंद केजरीवाल और भाजपा की राजनीति में सिर्फ वैचारिक समानता ही नहीं है, बल्कि केजरीवाल बिल्कुल उसी तरह राजनीति कर रहे हैं, जैसे नरेंद्र मोदी करते हैं। भाजपा की पूरी राजनीति पिछले आठ–नौ साल से नरेंद्र मोदी के चेहरे पर केंद्रित है। एक से दस नंबर तक वे हैं और उसके बाद ही किसी नेता का नंबर आता है। वैसे ही आम आदमी पार्टी में एक से दस नंबर तक केवल केजरीवाल हैं।

उसके बाद किसी और का नंबर आता है। आम आदमी पार्टी केजरीवाल की पार्टी है, दिल्ली और पंजाब दोनों जगह की सरकार केजरीवाल की सरकार है और पार्टी के सारे विधायक व सांसद केजरीवाल के सांसद व विधायक कहे जाते हैं। इस मामले में केजरीवाल की राजनीति नरेंद्र मोदी से एक कदम आगे है। पिछले दिनों दिल्ली की राजेंद्र नगर सीट पर उपचुनाव हुआ था, जिसमें आप ने दुर्गेश पाठक को उम्मीदवार बनाया था। समूचे प्रचार में एकाध अपवाद को छोड़ दें तो हर जगह पोस्टर और होर्डिंग पर उम्मीदवार की सिर्फ फोटो लगी थी और उसका नाम नहीं लिखा हुआ था। लोगों से केजरीवाल और झाड़ू छाप पर वोट देने की अपील थी।

जाहिर है पूरी पार्टी एक व्यक्ति के करिश्मे पर चल रही है। हजारों करोड़ रुपए के प्रचार से आम आदमी पार्टी ने केजरीवाल का ब्रांड स्थापित किया है। दिल्ली सरकार स्कूल बनाती है तो उसे केजरीवाल का स्कूल कहा जाता है या अस्पताल बनाती है तो उसे केजरीवाल का अस्पताल कहा जाता है। वैसे ही जैसे केंद्र सरकार कुछ भी करती है तो वह नरेंद्र मोदी का काम कहलाता है। यहां तक कि भाजपा के कई नेताओं ने भारतीय सेना को नरेंद्र मोदी की सेना कहा। उसी तरह केजरीवाल भी सब कुछ अपने नाम से करा रहे हैं।

असल में नरेंद्र मोदी और अरविंद केजरीवाल दोनों ने हिंदू मनोदशा को समझा हुआ है। यह सब होना हिंदुओं की 12 सौ साल की गुलामी का असर है। हिंदू हमेशा किसी सम्राट या तानाशाह के सपने देखता रहता है। उसे लगता है कि उसका भविष्य और देश दोनों किसी चक्रवर्ती राजा के हाथों में ही सुरक्षित हैं। उसे पंचायत करने वाले नेता पसंद नहीं हैं।

नरेंद्र मोदी भले भारत को लोकतंत्र की जननी कहें लेकिन हकीकत यह है कि भारत में लोकतंत्र के बुनियादी सिद्धांतों को जरा सा भी नहीं अपनाया है। यहां किसी पार्टी के अंदर आंतरिक लोकतंत्र जैसी कोई बात नहीं होती है। आजादी से पहले देश महात्मा गांधी को मसीहा मानता था तो आजादी के बाद नेहरू मसीहा हुए। इंदिरा गांधी और राजीव गांधी भी मसीहा रहे तो वीपी सिंह में भी लोगों ने मसीहा देखा। उसी तरह नरेंद्र मोदी मसीहा हैं और केजरीवाल भी उसी रास्ते पर चल रहे हैं।

मोदी की तरह केजरीवाल भी अकेले गोवर्धन उठाए हुए हैं। उन्होंने दिल्ली सरकार का कोई भी विभाग अपने पास नहीं रखा है। वे किसी बात के लिए जवाबदेह नहीं हैं।

वे फाइलों पर दस्तखत नहीं करते हैं लेकिन हर मुद्दे पर राजनीति करते हैं। यमुना का पानी साफ नहीं है तो उसका मुआयना केजरीवाल करते हैं तो कूड़े के पहाड़ को देखने भी वे ही जाते हैं।

स्कूल–अस्पताल का शिलान्यास हो या उद्घाटन सब केजरीवाल करते हैं। पूजा–पाठ, आरती और हनुमान चालीसा का पाठ भी केजरीवाल ही करते हैं। यानी सब कुछ केजरीवाल के ईर्द–गिर्द होता है। तभी नरेंद्र मोदी और अरविंद केजरीवाल के चेहरों में बूझे कि बड़े मियां और छोटे मिंया में क्या और कितना फर्क है!

ग्रामीण पेयजल के लिए समय अनुरूप बदलते संसाधन

प्रदेश के 23 हजार से अधिक ग्रामों की जल–प्रदाय योजनाओं के कार्य 60 से 90 प्रतिशत प्रगतिरत हैं। जल–स्त्रोत विहीन ग्रामों का सर्वे कार्य शुरू किया जा चुका है। मिशन में लक्ष्य से भी बड़े अपने हौंसले के साथ हम निश्चित ही अपेक्षित और सकारात्मक परिणाम हासिल करेंगे। आने वाला कल प्रदेश के हर ग्रामीण परिवार तक नल से जल पहुँचाने के उद्देश्य की पूर्ति का साक्षी होगा...

बृजेन्द्र सिंह यादव

देश की आजादी और फिर राज्य का गठन जैसी घटनाओं का साक्ष्य इतिहास के रूप में हमारे सामने उपस्थित रहा है। जल के बिना जीवन की कल्पना नहीं की जा सकती है। कल, आज और कल के पूरे परिदृश्य में जल प्रत्येक जीव की पहली जरूरत रही है। कालांतर में ग्रामीण आबादी की पेयजल व्यवस्था के स्रोत कुआँ, बाबड़ी, तालाब, पोखर और नदियाँ जरूर रहे हैं, लेकिन परिवार की जल व्यवस्था की जिम्मेदारी हमारी आधी आबादी (महिलाओं) पर ही रही है। पानी के स्त्रोत कितनी भी दूर हों और मौसम कैसा भी दुष्कर, पर पानी लाने का काम माँ, बहन, बहू और बेटियों को ही करना होता था।

मध्यप्रदेश राज्य की स्थापना (एक नवंबर 1956) के बाद लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग का गठन वर्ष 1969 में हुआ। विभाग द्वारा प्रदेश के नगरीय एवं ग्रामीण क्षेत्रों में स्वच्छ पेयजल प्रदाय की योजनाएँ तैयार कर क्रियान्वयन प्रारंभ किया गया। दूरस्थ ग्रामीण अंचलों में जहाँ पेयजल के स्त्रोत नहीं थे, वहाँ पर केलिक्स–रिंग मशीन द्वारा हैण्डपंप स्थापित कर आम जनता को शीघ्र पेयजल उपलब्ध कराने की व्यवस्था की जाती रही है। इस व्यवस्था के लिए करीब 5 लाख 55 हजार हैण्डपंप की स्थापना ग्रामीण क्षेत्रों में की गई थी, जो लगातार क्रियाशील है। पेयजल गुणवत्ता प्रभावित क्षेत्रों में शुद्ध और सुरक्षित पेयजल प्रदाय के लिए योजनाओं के क्रियान्वयन सहित पेयजल स्त्रोतों की जल–गुणवत्ता की निगरानी और अनुश्रवण सहित सहायक गतिविधियों का संचालन भी निरंतर हो रहा है। केन्द्र सरकार से शत–प्रतिशत अनुदान आधारित गतिवर्धित ग्रामीण जल–प्रदाय कार्यक्रम पर वर्ष 1972 से अमल शुरू हुआ। इसमें 40 लीटर प्रति व्यक्ति, प्रति दिन के मान से सभी ग्रामीण क्षेत्रों में पेयजल व्यवस्था के कार्य किए गए।

त्रि–स्तरीय पंचायत राज व्यवस्था के बाद वर्ष 1995 में नगरीय क्षेत्रों में पेयजल प्रदाय के संचालन और संधारण का कार्य संबंधित नगरीय निकायों को सौंपा गया। इसके बाद से ही पीएचई विभाग ग्रामीण क्षेत्रों में निर्धारित मापदंड और गुणवत्ता पूर्ण पेयजल उपलब्ध कराने के दायित्व का निर्वहन कर रहा है।

0–समय के अनुरुप होते परिवर्तनरूप्रदेश के विकास और जन–कल्याण के लिए समय के अनुरूप बदलाव की आवश्यकता और सुगमता को देखते हुए प्रदेश में मुख्यमंत्री पेयजल योजना और राष्ट्रीय ग्रामीण पेयजल कार्यक्रम के कार्य प्रारंभ किये गये। इनमें ग्रामीण आबादी के घरों में नल कनेक्श्न से पेयजल उपलब्ध करवाने का कार्य हुआ। केंद्र, राज्य और वित्तीय संस्थाओं के सहयोग से अप्रैल 2020 तक 17 लाख 72 हजार ग्रामीण परिवारों तक नल कनेक्शन से जल पहुँचाया गया।

0–मिशन ने दी ग्रामीण पेयजल व्यवस्था को नई दिशारूप्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी का देश की ग्रामीण आबादी के लिए राष्ट्रीय जल जीवन मिशन ऐसा वरदान है जो उनकी पेयजल की कठिनाइयों को पूरी तरह दूर कर देगा। आजादी के बाद श्री मोदी ऐसे पहले प्रधानमंत्री हैं, जिन्होंने ग्रामीण परिवारों की पेयजल व्यवस्था की बड़ी कठिनाई को समझा, उस पर गंभीरता से चिंतन किया और निदान के लिये जल जीवन मिशन की घोषणा कर उसे मूर्तरूप दिया।

मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने प्रदेश की करीब सवा पांच करोड़ ग्रामीण आबादी के लिए जल जीवन मिशन में तत्काल कार्य प्रारंभ करवाये। मिशन को सरकार की प्राथमिकता में रख कर निरंतर प्रगति की समीक्षा करते हुए जल प्रदाय योजनाओं के कार्य गुणवत्तापूर्ण और जल्दी पूरा करने के लिए विभागीय अमले से संवाद कर उन्हें प्रेरित किया। जून 2020 में मिशन के कार्य जब प्रारंभ हुए तो देश के साथ मध्यप्रदेश भी कोविड–19 के लॉकडाउन से गुजर रहा था। कोविड–19 और दो वर्षा काल के बाबजूद 20 लाख से अधिक वार्षिक लक्ष्य वाले 12 बड़े राज्यों में मध्यप्रदेश ने अपना अच्छा स्थान लगातार बनाये रखा है।

मिशन में मध्यप्रदेश के बुरहानपुर को देश का शत–प्रतिशत हर घर जल सर्टिफाइड जिला होने का प्रथम पुरस्कार राष्ट्रपति श्रीमती द्रोपदी मुर्मु से प्राप्त हुआ है। अब तक प्रदेश के 6 हजार 783 ग्राम शत–प्रतिशत हर घर जल युक्त हो चुके हैं, इनमें से केन्द्रीय जल शक्ति मंत्रालय द्वारा सर्वाधिक सर्टिफाइड घोषित ग्रामों की संख्या मध्यप्रदेश की ही है। अब तक प्रदेश के 53 लाख 97 हजार 911 ग्रामीण परिवारों तक नल से जल पहुँचाया जा चुका है। इसी श्रंखला में ग्रामीण क्षेत्र में संचालित 41 हजार 271 आँगनवाडियों और 71 हजार 92 शालाओं में नल कनेक्शन से जल उपलब्ध करवाने की व्यवस्था भी की गई है। शेष शालाओं एवं आँगनवाडियों में भी नल कनेक्शन के कार्य निरंतर जारी हैं। हमारा प्रदेश 12 बड़े राज्यों में सर्वाधिक ग्रामों को शत–प्रतिशत हर घर जल उपलब्ध करवाने में दूसरे पायदान पर है।

विभाग की मिशन की व्यूह–रचना में प्रदेश के करीब एक करोड़ 20 लाख लक्षित ग्रामीण परिवारों में से शेष रहे परिवारों को केन्द्र सरकार द्वारा निर्धारित वर्ष 2024 की समय–सीमा में नल कनेक्शन से जल पहुँचाना है। विभागीय सर्वेक्षण में 10 हजार 409 ग्राम स्त्रोत विहीन पाये गये हैं। राज्य शासन ने इन ग्रामों की जल–प्रदाय योजनाओं के लिए जल–स्त्रोत आकलन समिति गठित की है, जो वैकल्पिक स्त्रोत के संबंध में सूक्ष्म परीक्षण कर रिपोर्ट देगी जिसके आधार पर जल–संरचनाओं के निर्माण के कार्य प्रारंभ किए जा सकेंगे।

आने वाला कल–हर घर होगा जलः केन्द्र और राज्य सरकार के 50–50 प्रतिशत व्यय भार से संचालित जल जीवन मिशन में अब तक 49 हजार 776 करोड़ रूपये लागत की जल–प्रदाय योजनाएँ स्वीकृत की जा चुकी हैं। इनमें 36 हजार 464 करोड़ की समूह और 13 हजार 312 करोड़ की एकल जल–प्रदाय योजनाएँ शामिल है। मिशन में प्रदेश के लक्षित 51 हजार 548 ग्रामों में से 41 हजार 139 में जल–प्रदाय योजनाओं के कार्य प्रारंभ किए जा चुके हैं। शेष जल–स्त्रोत विहीन ग्रामों के संबंध में राज्य स्तरीय समिति आकलन का कार्य कर रही है।

प्रदेश के 23 हजार से अधिक ग्रामों की जल–प्रदाय योजनाओं के कार्य 60 से 90 प्रतिशत प्रगतिरत हैं।

ऋषभ पंत को टी20 वर्ल्डकप में मौका नहीं मिलने पर ऑस्ट्रेलियाई दिग्गज ने जाहिर किया गुस्सा

विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत को ऑस्ट्रेलिया में जारी टी20 वर्ल्डकप में भारतीय टीम का हिस्सा बनने का मौका नहीं मिला है। वो इस टी20 वर्ल्डकप में प्लेइंग एलेवन का हिस्सा नहीं है। उनकी जगह टीम में दिग्गज और अनुभवी खिलाड़ी दिनेश कार्तिक को जगह मिली है।

बता दें कि दिनेश कार्तिक ने टूर्नामेंट में सुपर 12 के चारों मैचों में विकेटकीपिंग की है। वहीं ऐसे महत्वपूर्ण टूर्नामेंट में ऋषभ पंत को मौका नहीं दिए जाने को लेकर पूर्व ऑस्ट्रेलियाई कप्तान इयान चौपल ने सवाल उठाए है। उन्होंने कहा कि दिनेश कार्तिक की जगह टीम मैनेजमेंट को ऋषभ पंत को प्राथमिकता देनी चाहिए थी। टीम के लिए इस अहम टूर्नामेंट में ऋषभ पंत महत्वपूर्ण साबित होते। टीम को चाहिए था कि टी20 विश्वकप के हर मैच में ऋषभ को खिलाया जाए।

दिनेश कार्तिक ने किया बनाकर पवेलियन लौटे थे।

निराशः बता दें कि ऑस्ट्रेलिया में जारी टी20 वर्ल्ड कप के मैचों में दिनेश कार्तिक कोई खास कमाल अबतक नहीं कर सके है। हालांकि भारत टीम में अधिक बदलाव करने की इच्छुक नहीं है, इसलिए ऋषभ पंत को मौका नहीं मिल रहा है। बता दें कि पाकिस्तान के खिलाफ हुए मुकाबले में कार्तिक एक रन नीदरलैंड के खिलाफ मुकाबले में उन्हें बैटिंग का मौका नहीं मिला। दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ भी उनका बल्ला नहीं चला और वो मात्र छह रन बना सके थे। बांग्लादेश के खिलाफ मैच में भी उनका खास योगदान नहीं रहा था। इस मैच में उन्होंने मात्र सात रन बनाए थे।

ऋषभ पंत है कप्तान बनने की लिस्ट में शामिल

बता दें कि ऋषभ पंत भी भारतीय टीम के कप्तान बनने की लिस्ट में शामिल है, जो आईपीएल टीम का नेतृत्व भी करते है। माना जा रहा है कि भविष्य में ऋषभ पंत कप्तान बनाए जा सकते है।

दिनेश कार्तिक का अंतिम वर्ल्ड कपः माना जा रहा है कि ये वर्ल्ड कप दिनेश कार्तिक के लिए अंतिम वर्ल्डकप हो सकता है। वहीं आगामी वनडे वर्ल्डकप में भी दिनेश कार्तिक को शामिल किए जाने पर संशय बरकरार है। बीसीसीआई के चयनकर्ता चाहते हैं कि अगले टी20 वर्ल्डकप को ध्यान में रखते हुए भी टीम का चुनाव किया जाए। बता दें कि वर्ल्ड कप के बाद भारतीय टीम न्यूजीलैंड से तीन मैचों की टी20 सीरीज में भिड़ने वाली है। इस सीरीज के लिए दिनेश कार्तिक का चयन नहीं किया गया है।

पाकिस्तान में होने वाले एशिया कप 2023 को रद्द करने की उठने लगी मांग

पाकिस्तान के पंजाब प्रांत में अज्ञात हमलावरों ने पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान पर हमला किया, जिसके बाद इमरान खान घायल हो गए है। उनके पैर में लोगी लगी है। उनके कंटेनर ट्रक पर हमलावरों ने ताबड़तोड़ गोलियां बरसाई। पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री पर हुए इस हमले के बाद इसकी निंदा हुई है। हमले के बाद यहां सुरक्षा व्यवस्था पर भी सवाल उठने लगे है। गौरतलब है कि पाकिस्तान में वर्ष 2023 में एशिया कप का आयोजन होना है। एशिया कप के आयोजन से पहले रैली में पूर्व प्रधानमंत्री पर इस तरह हमला होना सुरक्षा व्यवस्था पर कई सवाल खड़े करता है। इस घटना के बाद फिर से क्रिकेट बिरादरी ने पाकिस्तान जाने के फैसले पर विचार विमर्श शुरू कर दिया है। सभी टीमों में पाकिस्तान जाने के लिए असमंजस की स्थिति पैदा होने लगी है।

अन्य जगह पर हो एशिया कपः वहीं इस हमले के बाद भारत में मांग उठने लगी है कि एशिया कप 2023 का बहिष्कार किया जाए। भारतीय फैंस ने मांग की है कि पाकिस्तान में एशिया कप 2023 का आयोजन नहीं किया जाना चाहिए। पाकिस्तान में सुरक्षा एक अहम मुद्दा बनकर उभरा है जिसके बाद इससे मेजबानी छिननी चाहिए। टूर्नामेंट को ऐसे स्थान पर आयोजित किए जाने की मांग हो रही है जहां टीमों की सुरक्षा पर कोई संदेह ना हो।

इसी बीच बीसीसीआई से फैंस ने मांग की है कि किसी भी हालात में भारतीय क्रिकेट टीम को पाकिस्तान नहीं भेजा जाना चाहिए। फैंस ने साफ तौर पर मांग की है कि सुरक्षा कारणों के मद्देनजर भारतीय टीम को पाकिस्तान ना भेजा जाए।

बता दें कि ये पहला मौका नहीं है जब पाकिस्तान में इस तरह का हमला हुआ है। इससे पहले वर्ष 2009 में पाकिस्तान सीरीज के लिए गई श्रीलंका टीम पर भी हमला हुआ था, जिसके बाद कुछ ही समय पहले पाकिस्तान में क्रिकेट ने फिर से रफ्तार पकड़ी है। यहां इंग्लैंड, ऑस्ट्रेलिया और वेस्टइंडीज ने दौरा किया है।

आयरलैंड महिला टीम का है दौरा

बता दें कि इमरान खान पर हुए हमले के तत्काल बाद ही आयरलैंड की महिला टीम को पाकिस्तान का दौरा करना है। आयरलैंड की महिला टीम ने इस घटना के बाद खबर लिखे जाने तक अपने कार्यक्रम में कोई बदलाव नहीं किया है। पीसीबी के मुख्य कार्यकारी अधिकारी फैसल हसनैन ने क्रिकेट आयरलैंड के मुख्य कार्यकारी अधिकारी वॉरेन ड्यूट्रोम और टीम मैनेजर बेथ हीली से सीधे बात की है।'' आयरलैंड महिला टीम पाकिस्तान के खिलाफ अपने शुरुआती मैच से पहले गद्दाफी स्टेडियम में प्रशिक्षण ले रही है।

बायजू के वैश्विक एम्बेसडर बने लियोनल मेस्सी

शिक्षा प्रौद्योगिकी कंपनी बायजू ने अपनी सामाजिक प्रभाव समानता को बढ़ावा देने के लिए बायजू के साथ एक समझौते पर

इकाई 'एजुकेशन फॉर ऑल' के लिए जानेमाने फुटबॉल खिलाड़ी लियोनल मेस्सी को पहला वैश्विक ब्रांड एम्बेसडर बनाया है। कंपनी ने एक बयान में यह जानकारी दी। बायजू ने कहा कि अर्जेन्टीना की फुटबॉल टीम के कैप्टन मेस्सी ने शिक्षा में हस्ताक्षर किए हैं। बायजू की सह–संस्थापक दिव्या गोकुलनाथ ने कहा, ''लियोनल मेस्सी को हमारे वैश्विक एम्बेसडर के रूप में अपने साथ पाकर हम उत्साहित हैं और सम्मानित महसूस कर रहे हैं। वह भी जमीनी स्तर से उठाकर सबसे सफल खिलाड़ियों में से एक बने हैं। बायजू एजुकेशन फॉर ऑल (ईएफए) करीब 55 लाख बच्चों को इसी तरह का अवसर देना चाहता है। मानवीय क्षमता की शक्ति को मेस्सी से ज्यादा बेहतर तरीके से कौन प्रदर्शित कर सकता है।'' बायजू और मेस्सी के बीच समझौता होने से इस कंपनी की विदेशों तक पहचान बन जाएगी क्योंकि फुटबॉल के दुनियाभर में लगभग 3.5 अरब प्रशंसक हैं, वहीं लियोनल मेस्सी के सोशल मीडिया पर करीब 45 करोड़ फॉलोवर हैं। मेस्सी ने कहा, ''उच्च गुणवत्ता की शिक्षा जिंदगियां बदल देती है और बायजू ने तो दुनियाभर के लाखों छात्रों के करियर पथ को ही बदल दिया है। आशा है कि मैं युवाओं को प्रेरित करूंगा।

'जलवायु संबंधी उथल–पुथल' की ओर बढ़ रहा ग्रहः गुतारेस

संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंतोनियो गुतारेस ने चेताया कि

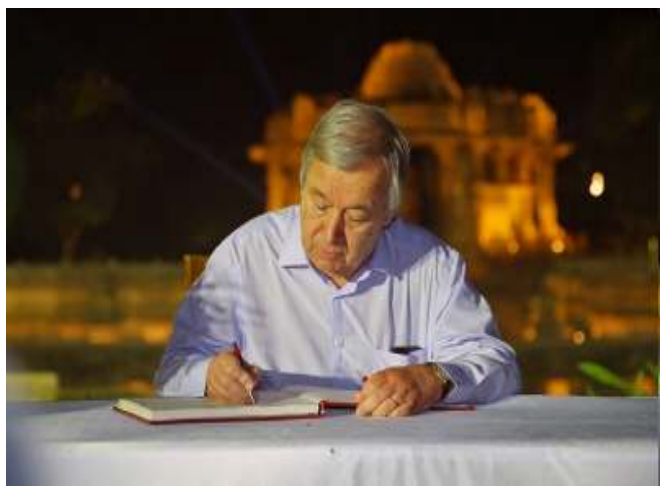

ग्रह एक ऐसी जलवायु संबंधी उथल–पुथल की ओर बढ़ रहा है, जिसकी भरपाई संभव नहीं होगी। उन्होंने मिस्र में आयोजित होने वाले जलवायु शिखर सम्मेलन में हिस्सा लेने जा रहे वैश्विक नेताओं से कार्बन उत्सर्जन में कटौती की राह पर लौटने, जलवायु वित्त पोषण पर वादों को पूरा करने और विकासशील देशों को नवीकरणीय ऊर्जा को अपनाने के प्रयासों को गति देने में मदद करने का आग्रह भी किया। गुतारेस ने कहा कि जलवायु परिवर्तन पर संयुक्त राष्ट्र के रूपरेखा समझौते में शामिल पक्षों के 27वें वार्षिक सम्मेलन (सीओपी27) के दौरान ''विश्वास बहाली और जलवायु परिवर्तन से हमारे ग्रह को बचाने के लिए आवश्यक महत्वाकांक्षा को फिर से स्थापित करने का प्रयास होना चाहिए।'' सीओपी27 का आयोजन छह नवंबर से मिस्र के शर्म–अल–शेख में होगा।

संयुक्त राष्ट्र प्रमुख ने कहा कि सीओपी27 का सबसे अहम निष्कर्ष कार्बन उत्सर्जन में तेजी से कटौती की स्पष्ट राजनीतिक इच्छाशक्ति के रूप में सामने आना चाहिए। उन्होंने कहा कि इसके लिए अमीर विकसित देशों और उभरती अर्थव्यवस्थाओं के बीच एक ऐतिहासिक समझौते की आवश्यकता है और ''अगर यह समझौता नहीं होता है, तो हम बर्बाद हो जाएंगे।

अलकाराज , जोकोविच जीते , फेलिक्स आगर एलियास्मे ने भी अंतिम आठ में

शीर्ष रैंकिंग वाले कार्लोस अलकाराज ने ग्रिगोर दिमित्रोव को हराकर पेरिस मास्टर्स टेनिस के क्वार्टर फाइनल में प्रवेश कर

लिया जबकि फेलिक्स आगर एलियास्मे ने भी अंतिम आठ में जगह बना ली। अमेरिकी ओपन चौम्पियन अलकाराज का सामना अब होल्गर रूने से होगा। डेनमार्क के रूने ने आंद्रेइ रूबलेव को 6 . 4, 7 . 5 से मात दी। पेरिस मास्टर्स क्वार्टर फाइनल में पहली बार दो ऐसे युवा खिलाड़ी आमने सामने होंगे जिनकी उम्र 20 वर्ष से कम है। आगर एलियास्मे ने फ्रांस के अनुभवी जाइल्स सिमोन को 6 . 1, 6 . 3 से हराया। लोरेंजो मुसेत्ती ने अमेरिकी ओपन उपविजेता कैस्पर रूड को 4 . 6, 6 . 4, 6 . 4 से शिकस्त दी। वहीं अमेरिका के फ्रांसिस टियाफो ने एलेक्स डि मिनाउर को 6 . 3, 7 . 6 से हराया। टियाफो इस साल 35 जीत दर्ज कर चुके हैं जो उनके कैरियर का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन है। बीस वर्ष के मुसेत्ती का सामना अब 21 बार के ग्रैंड स्लैम चौम्पियन नोवाक जोकोविच से होगा जिन्होंने रूस के कारेन खाचानोव को 6 . 4, 6 . 1 से हराया। अमेरिका के टॉमी पॉल ने पाब्लो कारेनो बस्टा को 6 . 4, 6 . 4 से हराया और अब उनका सामना पांचवीं रैंकिंग वाले स्टेफानोस सिटसिपास से होगा। सिटसिपास ने फ्रांस के क्वालीफायर कोरेंटिन माउटेट को 6 . 3, 7 . 6 से मात दी।

भारतीय स्क्वास के लिए बड़ा दिनः एशियाई स्क्वाश टीम चौम्पियनशिप के फाइनल में कुवैत को हराकर जीता पहली बार स्वर्ण

अनुभवी सौरव घोषाल की अगुवाई में भारतीय पुरूष टीम ने एशियाई स्क्वाश टीम चौम्पियनशिप के फाइनल में कुवैत को 2 . 0 से हराकर पहली बार स्वर्ण पदक जीत लिया। स्टार खिलाड़ी

घोषाल ने भारत की जीत तय की। इससे पहले रमित टंडन ने अली अरामजी को 11 . 5, 11 . 7, 11 . 4 से हराकर भारत को बढत दिलाई थी। घोषाल ने अम्मार अल्तामिमि को 11. 9, 11 . 2, 11 . 3 से हराया। अभय सिंह और फालाह मोहम्मद के बीच तीसरा मैच खेलने की जरूरत ही नहीं पड़ी। भारतीय टीम ने पिछले दो सत्रों में रजत पदक जीता था। शीर्ष वरीयता प्राप्त भारतीय टीम ने पूल ए में कतर, पाकिस्तान, कुवैत, दक्षिण कोरिया और चीनी ताइपै को हराने के बाद सेमीफाइनल में मलेशिया को 2 . 1 से मात दी थी। महिला टीम सेमीफाइनल में मलेशिया से 1 . 2 से हार गई और उसे कांस्य से संतोष करना पड़ा। महिला टीम पूल बी में दो जीत और एक हार के साथ दूसरे स्थान पर रही थी। उसने ईरान और सिंगापुर को हराया लेकिन हांगकांग से हार गई।

अल्लाह ने मुझे दूसरी जिंदगी दी... मौत की गोली से बचने के बाद बोले पाकिस्तान के पूर्व पीएम इमरान खान

वजीराबाद में पाकिस्तान तहरीक–ए–इंसाफ की रैली के दौरान गोली लगने के एक दिन बाद, पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान ने कहा कि अल्लाह ने उन्हें दूसरा जीवन दिया है। गुरुवार को हुए हमले के बाद कैमरे पर यह उनकी पहली उपस्थिति थी। रैली में गोली लगने के बाद इमरान खान को एक अस्पताल में भर्ती

कराया गया था। ईश्वर ने मुझे एक और जीवन दिया है–इमरान खान : एआरवाई न्यूज के मुताबिक, इमरान खान के दोनों पैरों में कई गोलियां लगी हैं। घटना के फौरन बाद उन्हें लाहौर के एक अस्पताल में ले जाया गया। पाकिस्तान के चौनलों द्वारा दिखाए वीडियो में घायल इमरान खान को अस्पताल के बिस्तर पर लेटा हुआ देखा गया था, जिसके दाहिने पैर में चोट लगी थी। उसकी आँखें खुली हुई थीं और वह बड़बड़ाते हुए भी देखा जा सकता था। सूत्रों ने कहा कि उन्होंने स्थिति को अपना पुनर्जन्म माना, जो भगवान ने दी थी। शौकत खानम अस्पताल के डॉक्टर फैसल सुल्तान ने कहा, "इमरान खान स्थिर हैं, गोली के टुकड़े बचे हैं, और उन्हें ऑपरेशन थियेटर में ले जाया गया है। गोली ने उनकी एक टिबिया की हड्डी को काट दिया। डॉक्टर बाद में विस्तृत बयान देंगे। पीटीआई रैली के दौरान इमरान खान को गोली मारी : गुरुवार शाम को, क्रिकेटर से राजनेता बने, इस साल अप्रैल में अविश्वास मत से पद से हटाए जाने के बाद नए सिरे से चुनाव की मांग करते हुए, लाहौर से राजधानी इस्लामाबाद के लिए शुक्रवार से हजारों के काफिले का नेतृत्व कर रहे थे।भारी भीड़ के बीच उनके पैरों में गोली मारी गई। हमले में खान के एक समर्थक की मौत हो गई जबकि इमरान खान समेत नौ लोग घायल हो गए।

भारत में अगले राजदूत के लिए गार्सेटी के नाम पर जल्द मुहर लगाएं सीनेट : व्हाइट हाउस

व्हाइट हाउस ने लॉस एंजिलिस के मेयर एरिक गार्सेटी को भारत में अमेरिका का अगला राजदूत बनाने के लिए संसद से उनके नाम पर जल्द मुहर लगाने की मांग की है। राष्ट्रपति के एक प्रवक्ता ने यह जानकारी दी। बता दें, बाइडन प्रशासन ने जुलाई, 2021 में भारत के अगले राजदूत के रूप में गार्सेटी के नाम की घोषणा की थी। हालांकि, अमेरिकी सीनेट की ओर से अभी तक उनके नाम की पुष्टि होना बाकी है। व्हाइट हाउस की प्रेस सचिव कैरीन जीन–पियरे ने इस मुद्दे पर पत्रकारों कोबताया, "हम गार्सेटी के नाम पर मुहर लगाए जाने की मांग जारी रखेंगे। उन्होंने कहा, भारत के राजदूत के रूप में गार्सेटी की नियुक्ति बाइडन

प्रशासन की प्राथमिकता है, जिन्हें भारत में राजदूत के रूप में सेवा करने के लिए मजबूत द्विदलीय समर्थन मिला था।" गार्सेटी के नाम पर सीनेट से पुष्टि बीते एक साल से लंबित है। उन पर एक वरिष्ठ कर्मचारी द्वारा अनुचित व्यवहार का आरोप लगा था, इस कारण से रिपब्लिकन सीनेटर चक ग्रासली ने उनके नामांकन का शुरु में विरोध किया था। हालांकि, बाद में गार्सेटी के नामांकन पर से रोक हटा ली गई थी। सत्तारूढ़ डेमोक्रेट्स पूर्ण सीनेट के समक्ष उनके नामांकन को लाने के लिए अनिच्छुक हैं क्योंकि उन्हें लगता है कि गार्सेटी के पास इसके लिए पर्याप्त मत नहीं हैं। हालांकि, इस संबंध में डेमोक्रेटिक सीनेट नेतृत्व की ओर से कोई आधिकारिक टिप्पणी नहीं की गई है। व्हाइट हाउस का कहना है कि गार्सेटी के पास अभी भी मौका है। जीन–पियरे ने एक प्रश्न के उत्तर में कहा, "इस समय हमारे पास कोई जानकारी नहीं है। लेकिन, हां, यह हमारे लिए प्राथमिकता बनी हुई है।" उन्होंने कहा, "जैसा कि विदेश मंत्री एंटनी ब्लिंकन ने कहा है, भारत के साथ हमारी एक महत्वपूर्ण और परिणामोन्मुखी साझेदारी है।" गार्सेटी 2013 से लॉस एंजेलिस के मेयर हैं।

बुल्गारियाः सोफिया में नेल्सन मंडेला की पहली प्रतिमा का अनावरण

दक्षिण अफ्रीका ने दोनों देशों के बीच राजनयिक संबंधों की 30वीं वर्षगांठ के अवसर पर बुल्गारिया की राजधानी सोफिया में रंगभेद विरोधी नेता नेल्सन मंडेला की पहली प्रतिमा का अनावरण किया है। प्रतिमा के अनावरण के मौके पर बृहस्पतिवार को जारी एक बयान के मुताबिक, "दक्षिण अफ्रीकी दूतावास ने नेल्सन मंडेला की विरासत को संरक्षित करने और एक मकसद के लिए समर्पित उनके जीवन को सम्मानित करने के उद्देश्य से इस परियोजना की शुरुआत की, जिसने उन्हें शांति और समानता के संघर्ष में एक प्रसिद्ध वैश्विक राजनेता बना दिया।" बयान में कहा गया,"यह ऐतिहासिक घटना दक्षिण अफ्रीका और बुल्गारिया के बीच सफल राजनयिक संबंधों की महत्वपूर्ण 30वीं वर्षगांठ को चिह्नित करेगी, जिसने दोनों देशों के विकास में योगदान दिया है।" मंडेला के सम्मान में उनके नाम पर सोफिया में एक सड़क का नामकरण भी किया गया। प्रतिमा का निर्माण दक्षिण अफ्रीकी मूर्तिकार, जेल्डा स्ट्राउड ने किया है। हर प्रमुख दक्षिण अफ्रीकी शहर के अलावा, संयुक्त राष्ट्र सहित दुनिया भर में मंडेला की कई प्रतिमाएं स्थापित हैं।

पशुओं के साथ पहुचे तहसील, दिया धरना

भाटपाररानी। क्षेत्र की ग्राम पंचायत जगउर में तहसील प्रशासन की ओर से सरकारी भूमि से अतिक्रमण हटाए जाने से पीड़ित लोग अपने पशुओं के साथ ..तहसील पहुंच गए। वहां प्रशासन के खिलाफ नारेबाजी करते हुए धरने पर बैठ गए। पीड़ितों ने उपजिलाधिकारी को पत्रक सौंपकर अपने तथा पशुओं के रहने की व्यवस्था करने की मांग की। साथ ही पीड़ितों ने तहसील प्रशासन को चेतावनी दी कि अगर प्रशासन ने रहने की व्यवस्था नहीं की तो अनिश्चितकालीन धरना दिया जाएगा। पीड़ितों ने पत्रक में लिखा है कि वे भूमिहीन हैं तथा मनरेगा मजदूर हैं। बीस वर्षों से अधिक समय से वे इस भूमि पर बसे हुए थे। ग्राम प्रधान के प्रतिनिधि की ओर से अमृत सरोवर का निर्माण अपने ट्रैक्टर से कुछ दिन पहले कराए जाने के विरोध में आवाज उठाने पर उन्होंने भूमि से बेदखल करने की चेतावनी दी थी। आरोप लगाया कि प्रधान के प्रतिनिधि ने तहसील प्रशासन से मिलकर जेसीबी लगाकर हम सभी का वर्षों से आबाद नाद, खूंटा, झोपड़ी, नल, टीनशेड, हरे आम के पेड़ आदि उजाड़कर गड्ढे में फेकवा दिया। अब हम लोग खुले आसमान में रहने के लिए मजबूर हैं। साथ ही पीड़ितों ने एसडीएम से अमृत सरोवर निर्माण की जांच कराने की मांग की है। इस दौरान सुभाष राजभर, हरिश्चंद्र, नवल राजभर, हरिकेश, अमरजीत, मंजू देवी, बबिता देवी, मुन्नी देवी, निक्की, काजल राजभर आदि धरने में शामिल रहीं।

फरार हत्यारोपी प्रवीन पर 25 हजार का इनाम

देवरिया। जिला अस्पताल से फरार हुए हत्यारोपी प्रवीन का सुराग लगाने के लिए जिले के साथ ही कुशीनगर, अयोध्या और जेल की पुलिस की टीम जुटी है। हालांकि, अब तक उसका पता नहीं चल सका है। पुलिस का मानना है कि उसके कुछ साथियों ने मिलकर साजिश रची है, क्योंकि सीसीटीवी कैमरे की फुटेज में वह नजर नहीं आ रहा है। एसपी संकल्प शर्मा ने फरार बदमाश पर 25 हजार रुपये का इनाम घोषित किया है। रामकोला थाना क्षेत्र के मेहंदीगंज में 28 सितंबर की रात पूजा (35) की हत्या कर दी गई थी। इस मामले का कुशीनगर जिले की पुलिस ने 28 अक्तूबर को पर्दाफाश करते हुए अयोध्या जनपद के इनायनत नगर थाना क्षेत्र के गहनो खिहारन बारून बाजार निवासी प्रवीन उर्फ प्रदीप पाल को गिरफ्तार कर लिया। घटना में नामजद प्रवीन को गिरफ्तार करने के बाद पुलिस ने 28 अक्तूबर को जिला जेल में दाखिल कर दिया था। उसके बाद अचानक सोमवार की शाम उसकी तबीयत खराब हो गई। पुलिस कस्टडी में उसे जिला अस्पताल के मेडिकल वार्ड में भर्ती कराया गया। मंगलवार की शाम को करीब साढ़े सात बजे वह शौचालय के जंगले की जाली तोड़कर फरार हो गया। पुलिस सूत्रों के अनुसार, उसकी तलाश में देवरिया एसओजी को एसपी ने पकड़ने की जिम्मेदारी दी है। कुशीनगर, अयोध्या के एसओजी को भी पुलिस के आला अफसरों ने गिरफ्तार करने के निर्देश दिए है। वहीं, जेल प्रशासन ने बंदी रक्षकों की टीम को लगाया है। इसमें निलंबित बंदी रक्षकों को पता लगाने के लिए कहा गया है। पुलिस उन लोगों पर निगाह रख रही है, जो आरोपी के फरार होने के पहले अस्पताल में उससे मिले थे। इसको लेकर पुलिस कुछ सीसीटीवी कैमरों की फुटेज के जरिए जानकारी जुटा रही है।

अधिवक्ताओं का आंदोलन जारी, बाधित हो रहे कार्य

बरहज। तहसील परिसर में बार एसोसिएशन के तत्वावधान में अधिवक्ता, अधिकारियों के स्थानांतरण की मांग कर आंदोलनरत हैं। इससे लोगों के कार्य प्रभावित हो रहे हैं। वकीलों ने .अधिकारियों पर गंभीर आरोप लगाते हुए स्थानांतरण होने तक आंदोलन जारी रखने का एलान किया। तहसील बार संघ अध्यक्ष पंडित रामायण तिवारी और महामंत्री उदयराज चौरसिया के नेतृत्व में वकीलों ने विरोध ा–प्रदर्शन किया। 28 अक्तूबर से अधिवक्ताओं का आंदोलन जारी है। वकीलों का कहना है कि तहसील के अधिकारियों को जिम्मेदार बचा रहे हैं, जिससे कार्य बाधित हो रहा है। उनका कहना है कि अधि ावक्ताओं और वादकारियों के हित में अधिकारियों का स्थानांतरण अतिशीघ्र कराया जाए। इस दौरान शिवदयाल सिंह, प्रमोद श्रीवास्तव, आनंद तिवारी, पूजिता यादव, रणजीत मिश्र, कमला यादव, राममनोहर चौहान, अमित तिवारी, मुकेश, चंद्रभान चौरसिया, राकेश प्रकाश रंजन आदि मौजूद रहे।

अवैध चरस बरामदगी के मामले में नेपाली महिला को 10 वर्ष सश्रम कारावास

महराजगंज। जिले के थाना सोनौली क्षेत्र के भारत–नेपाल सीमा पर वर्ष 2017 में छह किलो 400 ग्राम चरस बरामदगी के मामले में जानकी कामी उर्फ कविता को दोषी पाए जाने पर अपर सत्र न्यायाध ीश कमलेश्वर पांडेय ने दस वर्ष के सश्रम कारावास से दंडित किया है। दो लाख रुपये अर्थदंड भी लगाया है। जानकारी के अनुसार तत्कालीन उपनिरीक्षक थाना सोनौली राजप्रकाश सिंह ने भारत–नेपाल सीमा पर 11 जून .2017 को जांच के दौरान शक होने पर एक महिला का रोक कर पूछताछ की। उसने अपना नाम जानकी कामी उर्फ कविता निवासी गजेड़ी मजवा, थाना– बुटवल, जिला– रूपनदेही, नेपाल बताया। महिला आरक्षी से जांच कराने पर उसकी कमर में कपड़े से बांधा हुआ चरस बरामद हुआ। जिसका वजन 6.400 किग्रा पाया गया। विवेचक द्वारा न्यायालय में आरोप–पत्र प्रेषित किया गया। विशेष लोक अभियोजक राधवेंद्र उपाध्याय ने दस्तावेजी साक्ष्य प्रस्तुत कर सजा की मांग की। न्यायालय ने पत्रावली पर उपलब्ध साक्ष्य के आधार पर यह सजा सुनाई।

संदिग्ध परिस्थितियों में साधू की पुजारी की मौत

पनियरा (महराजगंज)। थाना क्षेत्र के हसखोरी महुअवा में काली मंदिर के पुजारी पल्टू निषाद (72) की मंदिर परिसर में संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई है। घटनास्थल पर अपर पुलिस अधीक्षक आतिश कुमार सिंह, सीओ सदर अजय सिंह चौहान पहुंचे। आसपास के लोगों से घटना के संबंध में जानकारी ली। जानकारी के अनुसार, पल्टू निषाद (72) निवासी हसखोरी महुअवा टोला पिपरहिया दो वर्ष गांव में स्थित काली मंदिर पर पुजारी थे। वह बीमार थे।. रात में मंदिर से बाहर नित्यक्रिया के लिए निकले थे। गांव के कुछ लोग सुबह मंदिर में पूजा के लिए गए थे तो देखा कि परिसर में पुजारी का शव पड़ा है। लोगों ने इसकी जानकारी पुलिस को दी। मौके पर पहुंचे पुलिसकर्मियों ने जांच करते हुए शव को पोस्टमार्टम के लिए जिला अस्पताल भेज दिया है। बताया गया कि पुजारी की एक बेटी है। उसकी शादी हो चुकी है। थानाध्यक्ष स्वतंत्र कुमार सिंह ने बताया कि घटनास्थल पर पहुंच कर जांच की गई है। हसखोरी महुअवा काली मंदिर पर पल्टू निषाद दो वर्षों से पुजारी थे। पोस्टमार्टम रिपोर्ट का इंतजार है।

मेडिकल कॉलेज में भीड़, बुखार के बढ़े मरीज

देवरिया। मेडिकल कॉलेज में मरीजों की भीड़ बढ़ गई है। छठ पर्व के बाद से बुखार, सांस के मरीजों की संख्या में इजाफा हुआ है। बुखार पीड़ित, डेंगू की आशंका से परेशान हैं। मेडिसिन विभाग में दिखाने के लिए लोगों को घंटों इंतजार करना पड़ रहा है। चेस्ट विभाग में भी सर्दी, खांसी, सांस के मरीज बढ़ गए हैं। उधर एंटीबायोटिक, दर्द व एलर्जी से राहत के लिए दवाओं की खपत बढ़ गई है। बरसात के बाद ठंड शुरू होने से मौसम में बदलाव का असर लोगों की सेहत पर पड़ रहा है। छठ पर्व के बाद से लोग बीमार पड़ रहे हैं। एलर्जी, सांस के मरीजों की दिक्कत बढ़ गई है। लोग बुखार से पीड़ित हो रहे हैं। साथ ही सर्दी–खांसी की चपेट में आ रहे हैं। इससे मरीजों की संख्या में इजाफा हुआ है। वहीं, बुखार के मरीजों को डेंगू होने का भय भी सता रहा है। महर्षि देवरहा बाबा मेडिकल कॉलेज से संबद्ध जिला अस्पताल में भीड़ बढ़ गई है।

मेडिसिन विभाग की ओपीडी में मरीज सुबह से ही पहुंचने लगे। सुबह ग्यारह बजे तक मरीजों की कतार लग गई। घंटों इंतजार के बाद लोगों की बारी आई और चिकित्सक के पास पहुंचे। चिकित्सक कक्ष में पहुंचने के लिए लोगों को काफी मशक्कत करनी पड़ी। वहीं, बगल से पहले कुछ लोगों के जाने पर हल्ला भी हुआ। यहां दो कमरे में दो–दो चिकित्सक मरीजों का इलाज किया। एक कमरे में असिस्टेंट प्रोफेसर डॉ. सिराजुद्दीन व सीनियर रेजिडेंट गौरव सिंह तथा दूसरे कमरे में असिस्टेंट प्रोफेसर डॉ. अजीत जायसवाल व जूनियर रेजिडेंट डॉ. पीयूष ने तकरीबन ढाई सौ मरीजों का इलाज किया। इसमें 140 से अधि ाक मरीज बुखार व सांस से पीड़ित थे। इनमें से कुछ मरीजों में डेंगू का भी लक्षण मिला, जिन्हें परीक्षण के बाद वार्ड में भर्ती होने को कहा गया।

दूसरी तरफ टीबी व चेस्ट विभाग में भी सर्दी, खांसी, एलर्जी, सांस की बीमारी से पीड़ित मरीजों की लाइन लगी थी। यहां डॉ. प्रतीक केजरीवाल, जूनियर रेजिडेंट डॉ. शशांक ने तकरीबन सौ से अधिक मरीजों का इलाज किया। आधे से अधिक सर्दी खांसी व सांस की बीमारी से पीड़ित मरीज शामिल रहे। इन दिनों अस्पताल में एंटीबायोटिक, एलर्जी, सर्दी खांसी के दवा मरीजों को उपलब्ध ा कराई जा रही है। इसकी खपत दोगुनी हो गई है।

डॉक्टर बोले, सतर्क रहने की जरूरतः चिकित्सकों का कहना है कि मौसम में परिवर्तन से नमी के कारण वायरस व बैक्टीरिया तेजी से पनपते हैं। इसके चलते संक्रमण फैलता है। जिनकी इम्युनिटी कमजोर होती है, वे संक्रमित हो जाते हैं। लापरवाही के कारण सर्द गर्म, दूषित भोज्य पदार्थ के सेवन, तला खाद्य पदार्थ खाने से लोग बीमार पड़ रहे हैं। इस समय एलर्जी, सांस, अस्थमा के मरीज चपेट में आते हैं, जिससे उनकी परेशानी बढ़ जाती है। इस मौसम में लोगों को सावधानी बरतनी चाहिए। साथ ही डेंगू के प्रति भी सतर्क रहने की जरूरत है। इस समय बचाव ही इलाज है। बुखार, शरीर में दर्द, सांस में दिक्कत होने पर लापरवाही न बरती जाए। चिकित्सक से शीघ्र संपर्क कर दवा लेनी चाहिए।

किसान के खाते से निकाल लिए चालीस हजार

बरियारपुर। किसान के खाते से जालसाज ने चालीस हजार रुपये निकाल लिए। शिकायत पर पुलिस ने . केस दर्ज किया। आरोपी बरइठा चौराहे पर जनसेवा केंद्र चलाता है। मामला उजागर होने के बाद से वह फरार है। बरियारपुर थाना क्षेत्र के बरइठा गांव निवासी अयोध या प्रसाद किसान हैं। उनके बेटे दीनानाथ गुजरात में निजी कंपनी में नौकरी करते हैं। छठ पर्व को मनाने व खेती के लिए दीनानाथ ने 19 अक्तूबर को पिता के खाते में चालीस हजार रुपये भेजे थे। वह गांव के चौराहे पर स्थित जनसेवा केंद्र पर खाते का बैलेंस जांचने पहुंचे। आरोप है कि केंद्र संचालक ने पीड़ित का आधार कार्ड लेकर अंगूठा लगवाया और खाते में रुपये नहीं आने की बात कह घर भेज दिया। पीड़ित लगातार चार दिन जनसेवा केंद्र पर पहुंचा, लेकिन हर बार उसे रुपये नहीं आने की बात कही। बाद में पंजाब नेशनल बैंक की पथरदेवा शाखा में पता करने पर मालूम हुआ कि 19, 20, 21 और 22 अक्तूबर को खाते से चार बार में 40 हजार रुपये बरइठा चौराहे से एक जनसेवा केंद्र से निकलने की बात बताई।

पीड़ित ने जब केंद्र संचालक से इसकी शिकायत की तो पहले तो गलती होने की बात कहकर उसने रुपये वापस करने का भरोसा दिया, बाद में धमकी देने लगा। पीड़ित ने थाने में तहरीर देकर कार्रवाई की मांग की। पुलिस ने चौबरिया पट्टी निवासी मन्नु कुशवाहा पर केस दर्ज कर लिया। एसओ सुभाषचंद्र पांडेय ने बताता कि केस दर्ज कर मामले की जांच की जा रही है।

स्वास्थ्य कर्मियों की लापरवाही, मरीज की जान पर बन आई

देसही देवरिया। सुरचक गांव के श्रीराम सिंह को स्वास्थ्य कर्मियों की लापरवाही का खामियाजा भुगतना पड़ रहा है। अब उनकी जान पर बन आई है। परिजन खेत बेंचकर उनका इलाज कराने के लिए विवश हैं। उच्चाधिकारियों की तरफ से विभागीय जांच कराकर एक्सपायर इंजेक्शन लगाने के आरोपी स्वास्थ्यकर्मियों पर कार्रवाई की बात भी ठंडे बस्ते में डाल दी गई। महुआडीह थानाक्षेत्र के सुरचक गांव के श्रीराम सिंह (60) की 19 अक्तूबर को तबीयत खराब हो गई। गांव के लोगों के सहयोग से उन्हें महुआडीह चौराहा स्थित प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र पर ले जाया गया। वहां डॉक्टर ने आवश्यक जांच कराकर दवा लिख दी। तीमारदार दवा लेने पहुंचे। स्वास्थ्य कर्मियों ने अगस्त में एक्सपायर इंजेक्शन मरीज को लगा दिया। वहीं दस और इंजेक्शन घर ले जाकर लगवाने की बात कह दे दिए। उधर, घर जाने के बाद श्रीराम की हालत बिगड़ने लगी। दूसरे दिन उल्टी के साथ खून आने लगा। गांव के लोगों के सहयोग से परिजन एक निजी चिकित्सालय में उनको भर्ती कराए। उनकी हालत और खराब हो गई है। मुंह के साथ अब पेशाब से भी खून आ रहा है। पहले से ही आर्थिक तंगी से जूझ रहा परिवार अब खेत बेचकर श्रीराम की इलाज कराने की जद्दोजहद में लगा हुआ है। मामला प्रकाश में आने के बाद एसीएमओ डॉ. सुरेंद्र कुमार चौध ारी ने टीम के साथ पीड़ित के घर पहुंच कर जानकारी ली। गांव वालों की मांग पर आरोपी स्वास्थ्य कर्मियों पर कार्रवाई का आश्वासन दिया था, लेकिन कुछ नहीं हुआ। सीएमओ डॉ. राजेश झा ने कहा कि जो इंजेक्शन लगाया गया, उस पर जून माह में शासन ने वैन लगा दिया गया था। इसके बावजूद एक्सपायर इंजेक्शन स्वास्थ्य कर्मियों की तरफ से लगा दिया गया। जांच कराई गई। प्रकरण सही पाया गया। इसमें दोषी दो स्वास्थ्य कर्मियों को चेतावनी देते हुए उन्हें स्थानांतरित कर दिया गया है।

उर्वरक की तीन दुकान सील, 15 का लिया नमूना

महराजगंज। कृषि के ऐन मौके पर उर्वरक की बढ़ती मांग को देखते हुए कृषि विभाग की टीम भी सक्रिय हो गई है। जिला कृषि अधिकारी ने जहां खाद की तीन दुकानों को सील कर दिया, वहीं चार टीमों की ओर से कुल 15 नमूनों को भी एकत्र किया गया है। एकत्रित नमूनों को जांच के लिए राजकीय प्रयोगशाला भेजा जाएगा। जिला कृषि अधिकारी वीरेंद्र कुमार ने बताया कि ई–पॉज मशीन व स्टाक में अंतर मिलने, लाइसेंस में निर्धारित चौहद्दी से दूर उर्वरक का भंडारण किए जाने की स्थिति पाए जाने पर निचलौल क्षेत्र के देउरवां में तीन दुकानों को सील कर दिया गया है। वहीं उन्होंने व सहायक निबंधक सहकारिता ने उर्वरक के दस, जिला कृषि रक्षा अधिकारी हिमांचल सोनकर ने एक तथा भूमि संरक्षण अधिकारी रविशंकर पांडेय व उप संभागीय कृषि प्रसार अधिकारी राजेश कुमार ने उर्वरक के दो–दो नमूनों को एकत्र किया। एकत्र नमूने को जांच के लिए प्रयोगशाला भेजा जाएगा, वहां से रिपोर्ट आने के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

डीएपी के लिए उमड़ी किसानों की भीड़

परसा मलिक। स्थानीय थाना क्षेत्र के पेड़ारी चौराहे पर स्थित साधन सहकारी समिति लिमिटेड बैकुंठपुर में ... डीएपी खाद के लिए किसानों की भीड़ उमड़ पड़ी। क्षेत्र के किसान सुबह से ही खाद के लिए समिति पर पहुंचे। किसानों ने कहा कि खाद मिलने से बुआई में सहूलियत होगी। भीड़ होने के कारण थोड़ी परेशानी हुई। किसान रमेश कुमार, रामनरेश, सवारे यादव ने बताया कि खेत पहले खाली हो गया था। इसके बाद खाद समय से नहीं मिलने के कारण बुआई पिछड़ गई है। सचिव धीरेंद्र सिंह ने बताया कि 300 बोरी डीएपी समिति पर आयी है। जरूरतमंद किसानों को खतौनी के आधार पर डीएपी दी जा रही है। जनसुनवाई पोर्टल पर हुई शिकायतः सिन्दुरियां। क्षेत्र अन्तर्गत ग्राम पंचायत मिठौरा निवासी अंशुमान कुमार ने जनसुनवाई पोर्टल पर शिकायत दर्ज करायी है। एक मेठ के अंकपत्र में गड़बड़ी होने का आरोप लगाकर जांच की मांग की।

सीएम से सम्मान पाकर खुशी से गदगद हुए जिले के टापर

महराजगंज। लखनऊ में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने जिले के हाईस्कूल एवं इंटर के टॉपरों को सम्मानित किया। उमर उजाला फाउंडेशन की ओर से आयोजित कार्यक्रम में जिले से मेधावी शामिल होने गए थे। वहां सम्मान पाकर गदगद हुए मेधावियों ने बताया कि ऐसा कार्यक्रम आयोजित कर अमर उजाला ने विद्यार्थियों का हौसला बढ़ाया है।

12वीं के टॉपर मो. मेराज अहमद, राम प्यारे इंटर कॉलेज, बीजापार, सिसवां के छात्र रहे। वह वर्तमान में कोटा में तैयारी करते हैं। लखनऊ में मुख्यमंत्री से सम्मानित होने की सूचना मिलने पर प्रधानाचार्य इं. नीरज तिवारी व प्रबंधक पंकज तिवारी के साथ पहुंचे। ...सम्मान मिलने के बाद दूरभाष पर जनपद के टॉपर मोहम्मद मेराज ने कहा कि अमर उजाला की ओर से मेधावी विद्यार्थियों का हौसला बढ़ाने के लिए ऐसे कार्यक्रम आयोजित करना सराहनीय है। इससे आत्मबल बढ़ा। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से सम्मान पाने के साथ ही आगे बढ़ने की प्रेरणा मिली। सुखद अनुभूति का बयां करने के लिए शब्द नहीं है। इंटर में ही टॉपर आशुतोष मिश्रा, महाराणा प्रताप इंटर कॉलेज, महराजगंज के छात्र रहे। यह अपने बडे भाई प्रदीप मिश्रा के साथ लखनऊ पहुंचे। आशुतोष ने बताया कि विद्यार्थियों को आगे बढ़ाने में अमर उजाला का प्रयास सराहनीय है। कार्यक्रम में शामिल होने के बाद बहुत कुछ सीखने को मिला है। जीवन में सफल होने के लिए सतत परिश्रम ही मूल मंत्र है। सम्मान समारोह में बड़े भाई प्रदीप भी सम्मानित होने के पल को देखकर भावविभोर हो गए। उन्होंने कहा कि छोटे भाई की मेहनत की वजह से यह गौरव का पल देखने को मिल रहा है। 10वीं की टॉपर सोनू गौंड, परतावल पंचायत इंटर कॉलेज के छात्र हैं। वह लक्ष्मीपुर जरलहिया में मामा प्रमोद गौंड के घर रहकर पढ़ाई करते हैं। मामा के साथ लखनऊ गए थे।

अनुप्रिया पटेल बनी पुनः राष्ट्रीय अध्यक्ष , राष्ट्रीय अधिवेशन में पार्टी मजबूती पर चर्चा

दैनिक बुद्ध का संदेश

तुलसियापुर/सिद्धार्थनगर। इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान गोमती नगर लखनऊ

में प्रस्तावित अपना दल (एस) द्वारा राष्ट्रीय अधिवेशन में अनुप्रिया पटेल जी को सर्वसम्मति से दूबारा अपना दल (एस) का राष्ट्रीय अध्यक्ष चुना गया। जिसके बाद शोहरतगढ़ विधायक विनय वर्मा ने उन्हें अंगवस्त्र तथा गदा प्रदान कर उनका सम्मान कर अपनी हार्दिक शुभकामनाएँ प्रेषित की। इस कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए अपना दल (एस) की राष्ट्रीय अध्यक्षा व भारत सरकार में कैबिनेट मंत्री अनुप्रिया पटेल जी की के साथ मंच पर राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष व उ.प्र. सरकार में कैबिनेट मंत्री आशीष पटेल, सांसद, सभी विधायकगण समेत पार्टी के सभी शीर्ष नेतृत्वों की गरिमामयी उपस्थिति रही साथ ही राष्ट्रीय अध्यक्षा अनुप्रिया पटेल ने अपने संबोधन से उपस्थित सभी कार्यकर्ताओं, सदस्यों तथा जनप्रतिनिधियों के अंदर ऊर्जा और शक्ति का संचार कराया गया। उन्होंने पार्टी के जनक, गरीब, दलित व शोषितों के मसीहा स्व. डॉ. सोनेलाल पटेल जी की कृतियों तथा उनकी दूरदर्शिता का उदाहरण देते हुए मौजूदा हालात में संगठन की मजबूती तथा इसके प्रसार को सराहा गया। इस महत्वपूर्ण अधिवेशन में हमारे जनपद सिद्धार्थनगर तथा शोहरतगढ़ विधानसभा से पार्टी के सभी समर्पित कार्यकर्ताओं, पदाधिकारियों एवं सदस्यों की महत्वपूर्ण उपस्थिति रही।

किसानों को कंपोस्ट खाद बनाने के लियें किया गया जागरूक

फसल अवशेष प्रबंधन-पूसा डी कंपोजर पर आयोजित एक दिवसीय कार्यक्रम का सजीव प्रसारण

दैनिक बुद्ध का संदेश

भनवापुर/सिद्धार्थनगर। कृषि विज्ञान केंद्र सिद्धार्थनगर पर एकदिवसीय सजीव कार्यशाला के तहत केंद्रीय कृषि मंत्री माननीय नरेंद्र सिंह तोमर ने

फसल अवशेष प्रबंधन से संबंधित अपने संबोधन में कृषको को फसल अवशेष प्रबंधन से संबंधित जानकारी दी इस कार्यक्रम के तहत कृषि विज्ञान केंद्र पर उपस्थित कृषकों को केंद्र के वरिष्ठ कृषि वैज्ञानिक डॉ प्रदीप कुमार ने कृषकों को फसल अवशेष ना जलाने के बारे में जागरूक किया तथा पूसा डी कंपोजर के उपयोग के बारे में बताया पुसद डी कंपोजर वितरित किया गया इसके साथ ही केंद्र के वैज्ञानिक डॉ सर्वजीत ने कृषकों को फसल अवशेष से कंपोस्ट खाद बनाने के बारे में बताया केंद्र के मृदा वैज्ञानिक प्रवेश कुमार ने सुपर सीडर हैप्पी सीडर आदि यंत्रों के बारे में जानकारी दी कृषि यंत्रों के प्रयोग से किसान किसान भाई खेत की खेत की जुताई के बगैर सीधी बुवाई कर सकते हैं इस कार्यक्रम में डॉ एस के मिश्रा ने कृषकों को पराली जलाने से होने वाले नुकसान के बारे में जानकारी दी। अवसर पर प्रगतिशील कृषक मुकेश मिश्रा प्रदीप कुमार रामनारायण रामसूरत श्रीराम यादव महिलाओं में सुनीता राधारानी संगीता प्रेमलता शिव कुमारी फूल कुमारीआदि कृषक उपस्थित रहे।

खेल से मानसिक, सामाजिक एवं व्यक्तित्व का विकास होता हैः मुख्य विकास अधिकारी

दैनिक बुद्ध का संदेश

सोनभद्र। 27वीं जनपद स्तरीय बाल क्रीड़ा प्रतियोगिता सोनभद्र का दो दिवसीय आयोजन डायट परिसर उरमौरा में संपन्न हुआ। कार्यक्रम के मुख्य मुख्य अतिथि मुख्य विकास अधिकारी सौरव गंगवार, विशिष्ट अतिथि डायट प्राचार्य विजय शंकर मिश्रा, कार्यक्रम के संयोजक जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी हरिवंश कुमार तथा वित्त एवम् लेखाधिकारी मनीष शुक्ल समस्त खंड शिक्षाधिकारी के साथ सभी शैक्षिक संघटन के लोग मौजूद थे। मुख्य विकास अधिकारी सौरभ गंगवार ने कहा बेसिक शिक्षा जगत में यह क्रीड़ा प्रतियोगिता तक ही नही अपितु एक उत्सव की तरह मनाया जाने वाला कार्यक्रम है। जिसमें समस्त विकास खंडों के टीम व उनके संयोजन लगे सभी शैक्षिक जगत के साथीगण, अधिकारीगण व बच्चों ने खेल भावना के साथ आपसी सौहार्द, भाईचारा के साथ इस उत्सव को सकुशल

सम्पन्न कराया। खेल में हार–जीत एक सिक्के के दो पहलू के समान है। लेकिन खेल से व्यक्तित्व विकास, सीखने की प्रवृति के साथ समस्त शारीरिक, मानसिक गुणों का विकास होता है। बेसिक शिक्षा अधिकारी हरिवंश कुमार ने बाल क्रीड़ा प्रतियोगिता को सकुशल संपन्न कराने पर सभी खण्ड शिक्षा अधिकारियो, सभी शैक्षिक संगठनों, शिक्षक, शिक्षामित्र, अनुदेशक, कर्मचारी, बच्चों को धन्यवाद ज्ञापित किए। इस अवसर पर राष्ट्रीय शैक्षिक महासंघ के मण्डल अध्यक्ष अखिलेश वत्स, इंदु प्रकाश सिंह, देवेन्द्र कुमार गेंगवार,गणेश पाण्डेय,पूर्व माध्यमिक शिक्षक संघ जिलाध्यक्ष रवि भूषण सिंह, धीरेंद्र पति तिवारी, पूर्व माध्यमिक शिक्षक संघ के जिला अध्यक्ष जनार्दन तिवारी, आदर्श शिक्षामित्र वेलफेयर एसोसिएशन सोनभद्र के जिलाध्यक्ष वकील अहमद खान, अनुज सिंह, पिंटू तिवारी, संजय शुक्ला, सर्वेश मिश्रा, यूटा के जिलाध्यक्ष शिवम अग्रवाल, यूटेक पेंशन बहाली मंच के जिला महामंत्री अभिषेक मिश्रा,प्राथमिक शिक्षक संघ जिलाध्यक्ष संतोष कुमारी, रुद्र मिश्रा अखिलेश गुंजन, उत्तर प्रदेशीय प्राथमिक शिक्षक जिलाध्यक्ष योगेश पाण्डेय, रविन्द्र चौधरी, जय प्रकाश रॉय, हुकुम चंद्र, अतेवा के जिलाध्यक्ष राज कुमार मौर्य, शिवशंकर सिंह, राजेश वैश्य बृजेश सिंह, रविकांत मौर्य, लोकेन्द्र जी, शिव प्रसाद, दिलीप, संतोष अनिल, संजय, आनंद देवी, दिनेश दुबे, दिनेश सिंह, मनीष, अफजाल अहमद, सर्वेश, सुनील कुमार, वीरू दीपक पटेल, गौरव कुमार, विकास देव, विशाल मोहन, लक्ष्मण, रोहित अरजरिया, रमेश गुप्ता, लालबहादुर, रमाशंकर, कमलेश कुमार, विनोद राम, रामगोपाल सिंह आदि उपस्थित रहे।

सम्मान समारोह कार्यक्रम में भाजपा के मंडल अध्यक्षो एवं बूथ अध्यक्षो का हुआ सम्मान

दुद्धी विधायक के आवास पर हुआ सम्मान समारोह का आयोजन

दैनिक बुद्ध का संदेश

म्योरपुर/सोनभद्र। शुक्रवार को रासपहरी स्थित क्षेत्रीय विधायक रामदुलार गोंड़ के आवास पर भाजपा के मंडल अध्यक्षो एव बूथ अध्यक्षो का सम्मान समारोह कार्यक्रम का आयोजन किया गया।कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में भाजपा जिलाध्यक्ष अजित चौबे व विधायक रामदुलार गोंड़ ने कार्यक्रम का शुभारंभ पंडित दीनदयाल उपाध्याय व श्यामा प्रसाद मुखर्जी की फोटो पर द्वीप प्रज्वल्लित कर किया। इसके पश्चात विधायक रामदुलार गोंड़ द्वारा मुख्य अतिथि को माला पहनाकर अंगवस्त्र भेंटकर सम्मानित किया गया साथ ही अतिथि दीर्घा में बैठे दुद्धी ब्लॉक प्रमुख रंजना मणि चौधरी,जिला महामंत्री जीतसिंह खरवार ,पूर्व ब्लॉक प्रमुख पन्नालाल जायसवाल,पूर्व जिला मंत्री सोनाबच्चा अग्रहरी को भी अंगवस्त्र भेंटकर सम्मानित किया गया।सम्मान समारोह कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुए मुख्य अतिथि जिलाध्यक्ष अजित चौबे ने कहा कि मंडल अध्यक्षो और बूथ अध्यक्षो की मेहनत का ही नतीजा है कि दुद्धी विधान सभा मे 40 वर्षो का रिकार्ड टूटा और 40 वर्षो के बाद

कमल खिला।जिले के चारो विधान सभाओं में इन्ही बूथ अध्यक्षो एव कार्यकर्ताओ की कड़ी मेहनत और लगन का परिणाम है की भाजपा की जीत हुई और भाजपा के विधायक लखनऊ जाकर जनता का नेतृत्व कर रहे है। भाजपा के प्रति मेहनत और लगन से कार्य करने वाले बूथ अध्यक्षो एव मंडल अध्यक्षो का सम्मान करने वाले दुद्धी विधायक रामदुलार गोंड़ स्वयं सम्मान के पात्र है। दुद्धी विधायक रामदुलार गोंड़ ने सम्मान समारोह में आये बूथ अध्यक्षो को संबोधित करते हुए कहा कि बूथ अध्यक्षो एव कार्यकर्ताओं की मेहनत के कारण ही मैं आज विधायक बना हूँ मेरे लिए बूथ अध्यक्ष और कार्यकर्ता हमेशा सम्मानित है और रहेंगे। 40 वर्षो बाद दुद्धी विधान सभा मे कमल खिलाने के लिए मैं बूथ अध्यक्षो को बधाई देना चाहता हूँ। बूथ अध्यक्षो एव कार्यकर्ताओ का सम्मान हमेशा होता रहेगा। कार्यक्रम में पांचों मंडल अध्यक्षो एव 382 बूथ अध्यक्षो को मुख्य अतिथि एव क्षेत्रीय विधायक द्वारा अंगवस्त्र भेंटकर सम्मानित किया गया।इस दौरान,पूर्व भाजपा जिलाध्यक्ष अशोक मिश्र,सुरेंद्र कुमार,जनजाति महिला मोर्चा जिला संयोजक मीरा सिंह गोंड़ मोहरलाल खरवार, नीरज मिश्र, प्रमोद दुबे, बबलू सिंह, राकेश केशरी, जिरतन देवी, गणेश जायसवाल, ग्राम प्रधान म्योरपुर संगीता जायसवाल, बबई सिंह मरकाम, अमरकेश सिंह, होरीलाल पासवान, सुजीत सिंह, दीपक अग्रहरी, अमित रावत इत्यादि मौजूद रहे।

मथुराबाबा मेला स्थल पर उपले बनाकर किया जा रहा अतिक्रमण

आगामी 22 नवम्बर को लगेगा अगहनी मेला

दैनिक बुद्ध का संदेश

त्रिवेदीगंज/बाराबंकी। मेला स्थल पर अतिक्रमण का कुछ लोगों ने प्रयास किया

लोनीकटरा थाना क्षेत्र के तिलोकपुर में आस्था स्थल मथुराबाबा के मेला प्राँगण पर कुत्सित मानसिकता के लोगों ने गोबर के कंडे व उपले पाथ कर दो गाँवों के बीच सौहार्द का माहौल बिगाड़ने का उपक्रम शुरू किया है। मथुराबाबा आस्थास्थल के मेला प्रबन्धक बब्बू सैनी ने बताया कि आगामी 22 नवम्बर 22 को अगहनी मेला लगना तय हुआ है। उन्होंने ने बताया कि लोनीकटरा थाना क्षेत्र में दो पंचायतों गौरवाउसमानपुर व अखैयापुर के बीच गत वर्ष भी अवैध कब्जेदारी की नियत से था।तब सीमांकन को लेकर माहौल बिगाड़ने का उपक्रम किया गया था। एक बार फिर से मथुराबाबा धार्मिक स्थल को लेकर विवाद तिलोकपुर व कनभरिया गाँवों के लोगों के बीच ऐन केन भड़काया जा रहा है। ऐसी स्थिति विकास क्षेत्र की ग्राम पंचायत गौरवाउसमानपुर के मजरे त्रिलोकपुर व पड़ोसी ग्राम पंचायत अखैयापुर के मजरे कनभरिया के बीच उत्पन्न हुई है। बतादें लोनीकटरा गौरवाउसमानपुर सम्पर्क मार्ग के किनारे त्रिलोकपुर गाँव के कई धार्मिक स्थल हैं।इसी में सम्पर्क मार्ग के उत्तर दिशा में कनभरिया तो दक्षिण में त्रिलोकपुर बसा हुआ है।सम्पर्क मार्ग के दोनों तरफ गौरवाउसमानपुर ग्राम पंचायत की जमीन बताई जा रही है। इस जमीन पर त्रिलोकपुर के ग्रामीणों का पूर्व से कब्जा भी रहा। इसके चलते एक नई बस्ती बस गयी है। इसी बस्ती के पीछे व कनभरिया गाँव के मध्य तालाब भी है।तालाब दो हिस्सों में बँटा हुआ है।इसी के पूर्वी हिस्से पर त्रिलोकपुर वासी तपस्वी संत मथुरा प्रसाद की समाधि बनी है। सैकड़ों वर्षो से इस स्थान पर मेले का आयोजन होने के अलावा श्रद्धालु मन्नत, कथा, मुंडन आदि मंगल मानते, प्रसाद चढ़ाते व विभिन्न पारिवारिक आयोजन करते आ रहे हैं। त्रिलोकपुर वासियों के मुताबिक इस वर्ष भी आगामी 22 नवम्बर को मेले का आयोजन होना है।

पुलिस अधीक्षक डॉ0 यशवीर सिंह ने किया पुलिस लाइन में परेड का निरीक्षण

दैनिक बुद्ध का संदेश

सोनभद्र। शुक्रवार को पुलिस अधीक्षक डॉ0 यशवीर सिंह द्वारा पुलिस लाइन चुर्क सोनभद्र में शुक्रवार परेड की सलामी लेते हुए निरीक्षण किया गया। इस दौरान परेड में सम्मिलित पुलिसकर्मियों के टर्नआउट को चेक करते हुए सभी अधिकारीध्कर्मचारीगणों को ड्यूटी के दौरान उच्च कोटि की वर्दी पहनने व जनता से मधुर व्यवहार स्थापित करने के लिए निर्देशित किया गया। निरीक्षण के पश्चात कर्मियों को शारीरिक रुप से फिट रहने हेतु दौड़ लगवाई गई व परेड के दौरान अनुशासन व एकरुपता के लिए टोलीवार ड्रिल कराई गई। निरीक्षण के क्रम में यू0पी0 –112 वाहनों की गहनता से चेकिंग की गयी तथा पीआरवी पर तैनात पुलिस कर्मियों से वाहनों में उपलब्ध दंगा नियंत्रणध्सुरक्षा उपकरणों के सम्बंध में जानकारी लेते हुए उनकी चेकिंग की गयी तथा पीआरवी कर्मियों को अपने कर्तव्य के बारे में सजग रहने के

लिए निर्देशित किया गया। इसके साथ ही परेड ग्राउण्ड में दंगा नियंत्रण उपकरणों की गहनता से चेक करते हुये सम्बन्धित को आवश्यक दिशा– निर्देश दिये गये। तदोपरान्त पुलिस अधीक्षक सोनभद्र द्वारा क्वार्टर गार्द की सलामी लेते हुए क्वार्टर गार्द एवं शस्त्रागार चेक किया गया। इस दौरान पुलिस लाइन में बेहतर साफ–सफाई हेतु प्रतिसार निरीक्षक को निर्देशित किया गया। इस मौके पर क्षेत्राधिकारी नगर राहुल पाण्डेय, प्रतिसार निरीक्षक सहित अन्य अधिकारी एवं कर्मचारीगण मौजूद रहे।

अज्ञात वाहन के चपेट में आने से युवक की मौत

दैनिक बुद्ध का संदेश

करमा/सोनभद्र। थाना क्षेत्र के पगिया गांव जाने वाली सड़क पर गुरुवार की देर शाम पिकअप की चपेट में आने से युवक गंभीर रूप से घायल हो गया। जिसकी आसपास के लोगों ने परिजनों को सूचना दिया परिजनों ने उसे एक निजी अस्पताल में इलाज कराने के बाद ट्रामा सेंटर जा जा रहे थे वहां पर डॉक्टर ने देखते ही मृत घोषित कर दिया। राम जी 24 वर्ष पुत्र प्रीतम पटेल निवासी भरकवाह साइकिल से पगिया गांव किसी काम से गए थे। वहां से घर वापस होते समय तेज रफ्तार से जा रही पिकअप की चपेट में आ गए जिससे गंभीर रूप से घायल हो गए। मृतक राम जी घोरावल से आईटीआई कर रहा था और सी,आई,एस,एफ में भर्ती होने के लिए आवेदन किया था। घटना के बाद परिजनों का रो रो कर बुरा हाल हो गया है मृतक भाइयों में बड़ा था।

पूर्वांचली समाज और उसका बिकास बिषय पर बिचार गोष्ठी का आयोजन 6 नवम्बर को

दैनिक बुद्ध का संदेश

सोनभद्र। अलग पुर्वांचल राज्य की मांग कर रहे संगठन पुर्वांचल राज्य जनमोर्चा के राष्ट्रीय महासचिव–पवन कुमार सिंह एडवोकेट ने प्रेस विज्ञप्ति जारी कर कहा कि आजादी की लड़ाई और उसके बाद देश के विकास में पूर्वांचल ने महत्वपूर्ण भूमिका निभायी है लेकिन खुद पूर्वांचल हमेशा उपेक्षा का शिकार होता रहा है। यहां के लोगों ने देश के कला–साहित्य और संस्कृति को समृद्ध करने में अभूतपूर्व योगदान दिया है, फिर भी पूर्वांचल और यहां के लोगों की लगातार अनदेखी की गई है। इसलिए पूर्वांचल के 28 जनपदों को मिलाकर एक पृथक पूर्वांचल राज्य स्थापना किया जाए ! इन्ही बिंदुओं को ध्यान में रखते हुए मोर्चा द्वारा हमारा ष्पूर्वांचली समाज और उसका विकासष् विषय पर विचार गोष्ठी का अयोजन दिनाँक 6 नवंबर 2022 को लक्ष्य कैंपस, भूमि विकास बैंक प्रांगण, निराला नगर, राबर्ट्सगंज सोनभद्र में आयोजित किया गया है। इस विचार गोष्ठी में अभिनंदन, पुस्तक जनार्पण, विचार प्रवाह, सम्मान समारोह होगा। विचार गोष्ठी में मोर्चा के संरक्षक चंद्रभूषण मिश्र कौशिक राष्ट्रीय अध्यक्ष सीमा सिंह राष्ट्रीय संयोजक कवि इंद्रजीत तिवारी निर्भीक आदि के साथ पुर्वांचल के प्रसिद्ध कवि एवं साहित्यकार तथा गणमान्य नागरिक उपस्थित रहेंगे। इस अवसर पर विभूतियों को ष्पूर्वांचल एकता सम्मानष् से सम्मानित किया जाएगा।

आप ने चलाया मुहिम, गंदगी हटाओ झाड़ू चलाओ

दैनिक बुद्ध का संदेश

बीना/सोनभद्र। सम्पूर्ण उत्तर प्रदेश में 3 नवम्बर से 10 नवम्बर तक पूर्व निर्धारित कार्यक्रम के क्रम में प्रदेश प्रभारीध्राज्य सभा सांसद संजय सिंह व काशी प्रान्त अध्यक्ष पवन तिवारी एवं जिला प्रभारी सुरेश सिंह के निर्देशन में श्गंदगी हटाओ, झाड़ू चलाओ यात्राश् सोनभद्र संगठन के नगर पंचायत चुर्क घुर्मा में जिलाध्यक्ष रमेश गौतम की अध्यक्षता एवं राजकुमार मौर्या के नेतृत्व में संपन्न हुई। यात्रा पुलिस लाइन के पास वार्ड नंबर 1 से मुख्य बाजार होते हुए कोल्हुआ नई बस्ती वार्ड नंबर 6 के पास समाप्त हुई। यात्रा में समर्थकों के हाथ में तख्तीयों व बैनर के साथ श्जीतेगी आप तो–शहर होगा साफश् श्साफ शहर चाहिए–तो झाड़ू चलाइये–आप को लाइए, श्मोहल्ला क्लिनिक चाहिए–तो आप को लाइएश, श्भ्रस्टाचार का एक ही काल केजरीवाल केजरीवालश् जैसे नारे गुंजते रहे। कार्यक्रम में अल्पसंख्यक प्र.महासचिव अनवर अली अंसारी, वि.स. संरक्षक राजेंद्र मौर्य, श्रम प्रकोष्ठ जिलाध्यक्ष परदेसी पटेल, दिनेश पटेल विधानसभा अध्यक्ष, प्रेम सिंह, प्रेमनाथ, विमलेश कुमार सिंह, सोनी देवी, सुरेंद्र सिंह, रामअवतार मौर्य, नीरज पांडे काशी प्रांत उपाध्यक्ष, सुरेश शुक्ला, समीर खान,घमडी सिंह जिला सचिव, मनीष केसरी वि.स.वरिष्ठ कार्यकर्ता, रविंदर शंभू नाथ सहित सक्रिय पदाधिकारियों व बड़ी संख्या में समर्थक उपस्थित रहे।

राजा भैया एवं स्वामी प्रसाद मौर्य ने दिया अशोक सिंह को श्रद्धांजलि ,पहुंचे बाराबंकी

दैनिक बुद्ध का संदेश

बाराबंकी। पूर्व जिला पंचायत अध्यक्ष स्वर्गीय अशोक कुमार सिंह की असमय मृत्यु के पश्चात दिवंगत अशोक कुमार सिंह को श्रद्धा सुमन अर्पित करने आज जनसत्ता दल के राष्ट्रीय अध्यक्ष पूर्व कैबिनेट मंत्री विधायक कुंडा राजा रघुराज प्रताप सिंह प्राजा भैयाष् एवं समाजवादी पार्टी के वरिष्ठ नेता पूर्व कैबिनेट मंत्री विधान परिषद सदस्य स्वामी प्रसाद मौर्य सहित प्रदेश के कई अन्य जनपदों के तमाम विधायक वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारी पार्टी के वरिष्ठ पदाधिकारी कार्यकर्ताओं सहित तमाम गणमान्य वरिष्ठ अधिवक्ताओं व्यापारी और सामाजिक संस्थाओं से जुड़े हुए लोग समाजवादी पार्टी के वरिष्ठ नेता पूर्व प्रदेश महासचिव पूर्व कैबिनेट मंत्री अरविंद कुमार सिंह गोप के बाराबंकी आवास पर पहुंचकर शोकाकुल परिवार को सांत्वना देते हुए दिवंगत अशोक कुमार सिंह के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित करके भावभीनी श्रद्धांजलि देने के लिए सभी ने श्रद्धा सुमन अर्पित किए और दिवंगत आत्मा की शांति के लिए भगवान से प्रार्थना की। जैसा आप सभी को ज्ञात है कि पूर्व कैबिनेट मंत्री अरविंद कुमार सिंह गोप के ज्येष्ठ भ्राता 26 अक्टूबर को असमय परलोक को चले गए थे उनकी अंत्येष्टि के बाद निरंतर पूर्व मंत्री के आवास पर पूरे देश से उनके बड़े भाई को श्रद्धांजलि अर्पित करने के लिए लोग आ रहे हैं। आज भी इसी क्रम में समाजवादी पार्टी के तमाम वरिष्ठ नेता पूर्व मंत्री विधायक पूर्व विधायक एमएलसी सहित शासन प्रशासन के तमाम वरिष्ठ अधिकारी कर्मचारियों का आना जारी रहा जिसमें मुख्य रुप से समाजवादी पार्टी के वरिष्ठ नेता पूर्व कैबिनेट मंत्री विधान परिषद सदस्य स्वामी प्रसाद मौर्य, जनसत्ता दल के राष्ट्रीय अध्यक्ष पूर्व कैबिनेट मंत्री विधायक कुंडा रघुराज प्रताप सिंह उर्फ राजा भैया, देवरिया सदर के विधायक सलभ मणि त्रिपाठी, पूर्व एमएलसी आनंद भदौरिया, बस्ती सदर के विधायक महेंद्र यादव, राजू पहाड़ी, कोर्डिनेटर डा धर्मेन्द्र प्रताप सिंह, पीसीएस मनोज कुमार सिंह, समाजवादी लोहिया वाहिनी अध्यक्ष डॉक्टर रामकरण निर्मल, मुलायम सिंह यादव यूथ ब्रिगेड के प्रदेश अध्यक्ष अनीस राजा, पत्रकार मनोज कुमार सिंह,संतोष सिंह,अजय रावत,पंकज यादव,पत्रकार डीके सिंह,यू एस तोमर,प्रदीप शर्मा,नंद किशोर चौधरी,जालिम यादव, कुलदीप यादव,अमित यादव,राजवीर सिंह,अजीत सिंह,कौशलेंद्र प्रताप सिंह, नवीन धवन बंटी, मशहूर शायर नदीम फारूख, शमशाद झंझट, नदीम शाद, साफे जुबेरी जिला पंचायत सदस्य ओम प्रभा बिट्टू अल्पसंख्यक सभा के अध्यक्ष इंतखाब आलम नोमानी सहित बाराबंकी जनपद के तमाम प्रधान बीडीसी और पार्टी पदाधिकारी और कार्यकर्ताओं आना निरंतर जारी रहा आने वाले सभी कल मान लोगों ने स्वर्गीय शोक कुमार सिंह जी के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित कर अपने श्रद्धा सुमन समर्पित किए।

बुद्ध का संदेश
(हिन्दी दैनिक समाचार पत्र)
स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक एवं मुद्रक श्रीमती पुष्पा शर्मा द्वारा बुद्धा प्रिन्टर्स , ज्योति नगर मधुकरपुर, निकट-हीरो होण्डा एजेन्सी, जनपद-सिद्धार्थनगर (उ0प्र0) 272207 से मुद्रित एवं प्रकाशित।
आर.एन.आई. नं.-UPHIN/2012/49458
संस्थापक
स्व. के.सी. शर्मा
सम्पादक
राजेश कुमार शर्मा
9415163471, 9453824459
दैनिक बुद्ध का संदेश
9795951917,9415163471
@budhakasandesh
budhakasandeshnews@gmail.com
www.budhakasandesh.com
इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी.आर.बी.एक्ट. के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन समस्त विवाद जनपद-सिद्धार्थनगर न्यायालय के अधीन ही मान्य होगा।

जनपद सिद्धार्थनगर के महत्वपूर्ण नम्बर

जिलाधिकारी	मो0:- 9454417530
मुख्य विकास अधिकारी	मो0:- 9454464749
एस डीएम नौगढ़	मो0:- 9454415936
एस डीएम बांसी	मो0:- 9454415937
एस डीएम डुमरियागंज	मो0:- 9454415939
एस डीएम इटवा	मो0:- 9454415939
एस डीएम शोहरतगढ़	मो0:- 9454415940
पुलिस अधीक्षक	मो0:- 9454400305
थाना मोहाना	मो0:- 9454404239
थाना जोगिया उदयपुर	मो0:- 9454404235
थाना गोलौरा	मो0:- 9454404233
थाना पथरा बाजार	मो0:- 9454404240
थाना त्रिलोकपुर	मो0:- 9454404243
थाना उसका बाजार	मो0:- 9454404244
थाना शोहरतगढ़	मो0:- 9454404241
थाना खेसरहा	मो0:- 9454404236
थाना इटवा	मो0:- 9454404234
थाना चिल्हिया	मो0:- 9454404229
थाना ढेबरूआ	मो0:- 9454404230
थाना भवानीगंज	मो0:- 9454404228
थाना मिश्रौलिया	मो0:- 9454404238
थाना सि0नगर	मो0:- 9454404242
थाना डुमरियागंज	मो0:- 9454404232
थाना लोटन	मो0:- 9454404237
महिला थाना	मो0:- 9454404891

राष्ट्रीय दैनिक
बुद्ध का संदेश

हर महिला की अलमारी में जरूर होने चाहिए लाल रंग के ये 5 आउटफिट

लाल रंग शक्ति और ऊर्जा का प्रतीक होने के साथ–साथ ग्लैमरस लुक देता है इसलिए महिलाओं की अलमारी में इस रंग के आउटफिट जरूर होने चाहिए। यह एक क्लासिक रंग है, जो कभी भी फैशन से बाहर नहीं होता है। वहीं, लाल रंग के आउटफिट डेट हो या फिर कोई मजेदार पार्टी, हर अवसर पर पहने हुए अच्छे लगते हैं। आइए आज हम आपको पांच तरह के लाल रंग के आउटफिट से जुड़ी फैशन टिप्स देते हैं।

लाल रंग की ड्रेस

काले रंग की ड्रेस की तरह लाल रंग की ड्रेस भी महिलाओं पर खूब जचती है। लाल रंग की ड्रेस को आप न सिर्फ एक कैजुअल आउटिंग पर, बल्कि डेट नाइट पर भी पहन सकती हैं। हालांकि, लाल रंग की ड्रेस के पैटर्न पर थोड़ा ध्यान दें और ज्यादा बड़े पैटर्न का चयन करने से बचें। इसी तरह अपनी लाल रंग की ड्रेस को कम से कम एसेसरीज और हाई हील्स के साथ पहनना चाहिए।

लाल रंग की साड़ी

हर महिला की अलमारी में एक लाल रंग की साड़ी भी होनी चाहिए। आप शादी के फंक्शन के लिए लाल रंग की कांजीवरम या जॉर्जेट सिल्क साड़ी का चयन कर सकते हैं या मॉर्डन फेमिनिन लुक और कॉकटेल पार्टी के लिए लेस या सेक्विन साड़ी का विकल्प चुन सकते हैं। अपने इन लुक को आप खूबसूरत गोल्डन ईयररिंग्स और गोल्डन सैंडल के साथ पूरा कर सकती हैं।

लाल कोट

सर्दियों में हर तरह के कोट पसंद किए जाते हैं, चाहे वे शॉर्ट हो या फिर ओवरसाइज्ड। इसी वजह से फैशन ट्रेंड बदलने पर भी कोट हमेशा ट्रेंडिंग रहते हैं। रंग की बात करें तो लाल रंग का कोट आपकी अलमारी में जरूर होना चाहिए। अपने लाल कोट को आप कैजुअल व्हाइट या ब्लैक टॉप और क्लासिक ब्लू रिप्ड जींस के साथ पहन सकती हैं। अपने लुक को विंटर बूट्स, ब्लैक स्लिंग बैग और डायमंड स्टड्स के साथ पूरा करें।

क्लासिक लाल टी–शर्ट

अगर आपके पास लाल टी–शर्ट नहीं है तो आपको एक गहरे लाल रंग की टी–शर्ट में निवेश करना चाहिए, क्योंकि यह हर तरह के बॉटम वियर के साथ अच्छा लुक देती है। फॉर्मल लुक के लिए आप अपनी लाल टी–शर्ट को ब्लैक ट्राउजर और एक ओवरसाइज्ड ब्लेजर के साथ पहन सकती हैं। ट्रेंडी लुक के लिए आप इसे ब्लैक लेदर स्कर्ट और बूट्स के साथ भी पहन सकती हैं।

लाल स्कर्ट

लाल रंग की स्कर्ट गॉर्जियस लुक दे सकती है। फिर चाहे यह प्लीटेड या ए–लाइन स्कर्ट ही क्यों ना हो। लाल स्कर्ट को आप किसी भी न्यूट्रल रंग के टॉप के साथ पहन सकती हैं। आप लाल फ्लेयर्ड या ए–लाइन स्कर्ट को सफेद क्रॉप टॉप और हाई हील्स के साथ पहन सकती हैं। आप चाहें तो सफेद बटन–डाउन शर्ट के साथ लाल पेंसिल स्कर्ट भी पहन सकती हैं।

गोल्डन गर्ल बनीं नजर आईं एक्ट्रेस डोनल बिष्ट, सिजलिंग अंदाज में दिए कई कातिलाना पोज

बिग बॉस और कलर्स टीवी सीरियल मर्द का नया स्वरूप में नजर आई टीवी एक्ट्रेस डोनल बिष्ट सोशल मीडिया पर भी अपने बोल्ड अंदाज से कहर बरपाए रहती हैं। उनकी तस्वीरें फैंस को काफी पसंद आती है। वहीं, फैंस उनकी एक झलक का बेसब्री से इंतजार करते हैं। इसी कड़ी में एक्ट्रेस डोनल बिष्ट ने गोल्डन ड्रेस में अपनी तस्वीरें सोशल मीडिया पर

शेयर की हैं। एक्ट्रेस डोनल बिष्ट ने गोल्डन कलर की शिमरी आउटफिट में कई कातिलाना पोज दिए। डोनल बिष्ट ने इस आउटफिट में अपना कर्वी फिगर फ्लॉन्ट किया। न्यूड मेकअप के साथ एक्ट्रेस ने स्मोकी आइज का लुक कैरी कर रखा है। गोल्डन थाई हाई स्लिट आउटफिट में एक्ट्रेस डोनल बिष्ट बेहद ही ग्लैमरस नजर आ रही हैं। डीप बोट नेक आउटफिट में एक्ट्रेस डोनल बिष्ट गजब की बला लग रही हैं। एक्ट्रेस डोनल बिष्ट का ये कातिलाना अंदाज फैंस को काफी भा रहा है। फैंस उनके इस लुक के लिए सोशल मीडिया पर अपनी प्रतिक्रियाएं दे रहे हैं। साथ ही हार्ट और फायर इमोजी के कमेंट्स कर रहे हैं। एक्ट्रेस डोनल बिष्ट के इंस्टाग्राम पर 1. 5 मिलियन फॉलोवर्स हैं। डोनल बिष्ट अपने फैंस के लिए अपने निजी और प्रोफेशनल पलों को साझा करती रहती हैं।